हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 32 ● भिलाई, बुधवार 19 अगस्त 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा रद्द

24 दिन के प्रदर्शन के बाद झुकी हेमंत सोरेन सरकार..

■ 2014 से सभी परीक्षाओं की सीआईडी जांच; छात्रों में जश्न

रांची/ एजेंसी

झारखंड में सरकारी भर्ती परीक्षाओं को लेकर 24 दिनों से चल रहे छात्र आंदोलन के बीच हेमंत सोरेन सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने जेएसएससी सीजीएल परीक्षा रद्द करने का ऐलान किया है। इसके साथ ही टीडीपीएल के जरिए कराई गई परीक्षाओं और उससे जुड़ी भर्तियों को भी रद्द करने का फैसला लिया गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि 2014 से झारखंड में हुई परीक्षाओं में सामने आई छोटी-बड़ी गड़बड़ियों की सीआईडी जांच की जाएगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को कहा कि टीडीपीएल द्वारा जारी किए गए रिजल्ट और उसके जरिए चयनित उम्मीदवारों से जुड़े मामलों की समीक्षा की जाएगी। सरकार ने टीडीपीएल की उन सभी गतिविधियों और परीक्षाओं पर कार्रवाई का फैसला लिया है, जिनमें कथित तौर पर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा को रद्द करना लंबे समय से आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों की प्रमुख मांगों में शामिल था। छात्रों का आरोप है कि भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता नहीं बरती गई और परीक्षा प्रक्रिया में गंभीर गड़बड़ियां हुईं। हेमंत सोरेन ने कहा कि 2014 से अब तक झारखंड में हुई परीक्षाओं में सामने आई गड़बड़ियों की जांच सीआईडी करेगी। मुख्यमंत्री के मुताबिक सीआईडी और एसआईटी की मौजूदा जांच में कई ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जिनके आधार पर आगे कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि जेएसएससी के जरिए भर्ती हुए कुछ लोगों को परीक्षा में कथित धोखाधड़ी और धांधली के मामलों में गिरफ्तार भी किया जा रहा है। सरकार का कहना है कि परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए जांच को व्यापक बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि परीक्षा आयोजित करने के लिए सरकार के पास पहले से ही Standard Operating Procedure (SOP) मौजूद था, लेकिन उसका सही तरीके से पालन नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि अगर एसओपी का पालन किया जाता तो हाल में सामने आई गड़बड़ियों को रोका जा सकता था। सरकार अब परीक्षा और भर्ती प्रक्रिया में जरूरी सुधार करने पर जोर दे रही है। हेमंत सोरेन ने परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए एक कमेटी बनाने की भी घोषणा की है। यह कमेटी वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अमिताभ कौशल की अध्यक्षता में काम करेगी। कमेटी का उद्देश्य भर्ती परीक्षाओं की प्रक्रिया में मौजूद कमियों को चिन्हित करना और भविष्य में परीक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए सुधार सुझाना होगा। सरकार ने छात्रों की शिकायतों को दर्ज करने के लिए एक पोर्टल भी तैयार किया है। पोर्टल पर मिलने वाली शिकायतों को मामले की जांच कर रही विशेषज्ञ टीम के साथ साझा किया जाएगा।

आंदोलन जारी रखेंगे देवेंद्र महतो,बोले-अब लीक-प्रुफ सिस्टम बनाएं

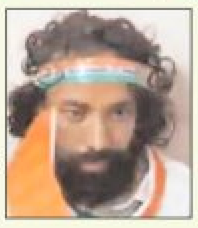

झारखंड सरकार की ओर से जेएसएससी सीजीएल परीक्षा और टीडीपीएल द्वारा आयोजित सभी परीक्षाओं को रद्द करने के फैसले के बाद छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने इसे छात्रों के संघर्ष की ऐतिहासिक जीत बताया है। छात्र नेता ने कहा कि लंबे समय से छात्र पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग को लेकर लंबे समय से आंदोलन कर रहे थे। जिसके बाद सरकार के फैसले से उनकी मांगों को एतिहासिक सफलता मिली है। हालांकि, महतो ने स्पष्ट किया कि केवल परीक्षाएं रद्द करना या सीबीआई-सीआईडी जांच कराना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने परीक्षा व्यवस्था में स्थायी सुधार और भविष्य में पेपर लीक की घटनाओं को रोकने के लिए लीक-प्रूफसिस्टम बनाने की मांग की। महतो के मुताबिक, टीडीपीएल की ओर से आयोजित अब तक 14 परीक्षाएं रद्द की जा चुकी हैं। छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि अब तक टीडीपीएल द्वारा आयोजित 14 परीक्षाओं को रद्द की जा चुका हैं। उन्होंने इसे झारखंड के छात्र आंदोलन के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। महतो के अनुसार, परीक्षा रद्द होना केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं है, बल्कि तमाम छात्रों के द्वारा लगातार पेपर में गड़बड़ी में के खिलाफ उठायी जा रही आवाज और उनके मेहनत का रिजल्ट है। जबकि देवेंद्र नाथ महतो स्पष्ट किया कि यह छात्र आंदोलन की लड़ाई केवल परीक्षाओं को रद्द कराने तक सीमित नहीं है।

बीजेपी से अलग होते ही बदला शहजाद पूनावाला का सुर

मिडिल क्लास को लूटा जा रहा,उन्हें मिलता क्या है.... ?

नई दिल्ली। भाजपा के मुखर प्रवक्ता रहे शहजाद पूनावाला ने पार्टी से अलग होते ही सरकार से तिखे सवाल पूछने शुरू कर दिए हैं। उन्होंने कहा है कि देश के मिडिल क्लास को पूरी तरह से लूटा जा रहा है। पूनावाला ने सवाल पूछा है कि मध्यम वर्ग जितना टैक्स देता है, उसके बदले में उन्हें उतनी सुविधाएं मिलती हैं क्या। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में शहजाद पूनावाला ने कहा कि मीडिल क्लास एटीएम बन चुका है। अब तक भाजपा की नीतियों को अलग-अलग मंचों से डिफेंड करने वाले शहजाद पूनावाला ने कहा कि जब तक हमें वर्ल्ड-क्लास सुविधाएं नहीं मिल जातीं, तब तक वेतन पाने वाले मध्यम वर्गीय लोगों के लिए इनकम टैक्स जैसी सुविधा को खत्म करने का समय आ गया है। गौरतलब है कि शहजाद पूनावाला ने 17 अगस्त, 2026 को भारतीय जनता पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। अपने इस्तीफे की कॉपी उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से साझा किया है। भाजपा छोड़ने से कुछ घंटे पहले ही उन्होंने मिडिल क्लास पर लगने वाले इनकम टैक्स और देश में बुनियादी सुविधाओं जैसे सड़क, स्कूल, स्वास्थ्य सेवा को लेकर सवाल उठाना शुरू कर दिए थे। एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने सवाल पूछा है। शहजाद पूनावाला ने देश की शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा है कि परिवारों को हमेशा अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए किसी निजी स्कूलों और ईलाज के लिए किसी प्राइवेट हॉस्पिटल में ही जाना पड़ता है।

प्रशांत किशोर ने विधायक के तौर पर पद और गोपनीयता की शपथ ली

पटना। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जीत के बाद जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने सोमवार को विधायक पद की शपथ ली। बिहार विधानसभा के मुख्य भवन में स्थित विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार के कार्यालय कक्ष में प्रशांत किशोर ने विधानसभा सभा सदस्य के तौर पर शपथ ली। बिहार विधानसभा के स्पीकर प्रेम कुमार ने उन्हें शपथ दिलाई। इस मौके पर जन सुराज के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती, जन सुराज के प्रवक्ता कुमार सौरभ सिंह सहित कई अन्य नेता मौजूद रहे।

उनकी हालत अब स्थिर

सामने आया हेल्थ अपडेट नड्डा की हुई एंजियोप्लास्टी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा की 17 अगस्त को एंजियोप्लास्टी की गई। एम्स, दिल्ली की ओर से 18 अगस्त को जारी प्रेस रिलीज में बताया गया कि उनकी हालत अब स्थिर हैं और वह अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग में डॉक्टरों की निगरानी में हैं। इससे पहले 14 अगस्त को भी अस्पताल ने बयान जारी कर बताया था कि मंत्री का स्वास्थ्य स्थिर है। 13 अगस्त की शाम बेचैनी की शिकायत के बाद उन्हें दिल्ली स्थित एम्स में भर्ती कराया गया था। भर्ती के बाद डॉक्टरों ने उनकी जांच की और कोरोनरी एंजियोग्राफी से संबंधित मेडिकल टेस्ट भी किया गया था। एम्स की डॉ. रीमा दादा के अनुसार, बेचैनी के कारण मंत्री को भर्ती किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

सरकार के 100 दिन पूरे होने पर सीएम विजय का मास्टरस्ट्रोक

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्ता की कमान संभाल रहे मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय (थलपति विजय) ने अपनी सरकार के सफलतापूर्वक 100 दिन पूरे होने के खास मौके पर राज्य के अन्नदाताओं को एक बहुत बड़ी सौगात दी है। सीएम विजय ने किसानों को आर्थिक संकट से भारी राहत देते हुए सोमवार को 75,000 रुपये तक के सहकारी कृषि ऋण (लोन) को पूरी तरह से माफ करने का ऐतिहासिक ऐलान किया है। चुनाव से लेकर अब तक किसानों के हक में लगातार आवाज उठाने वाले मुख्यमंत्री के इस बड़े फैसले से लाखों किसानों के चेहरों पर खुशी लौट आई है। विधानसभा में नियम 110 के तहत इस बंपर लोन माफी का ऐलान करते हुए मुख्यमंत्री ने सदन में स्पष्ट किया कि कृषि ही राज्य की असली रीढ़ है। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश की असली समृद्धि किसानों के सहयोग पर ही निर्भर करती है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य के सामने कई तरह की वित्तीय बाधाएं खड़ी हैं, लेकिन इसके बावजूद सरकार ने अन्नदाताओं के हित को सर्वोपरि रखते हुए उन्हें 953.06 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता देने का साहसिक फैसला लिया है।

संगम कला संस्थान, गाजियाबाद में 'नाद संगम' का आयोजन

गाजियाबाद। संगम कला संस्थान, गाजियाबाद की अध्यक्षा डॉ. दीप्ति वत्स और सचिव कुमार सूरज के आयोजन में आज 'नाद संगम' मासिक श्रृंखला का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के नृत्य और गायन के छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुति दी। इस अवसर पर दूरदर्शन की ग्रेडेड कलाकार कथक नृत्यांगना आंचल शर्मा और युवा गायिका परिणिका चंद्रा विशेष अतिथि रहीं। डॉ. दीप्ति वत्स और कुमार सूरज ने अतिथियों का शॉल और सम्मान पत्र देकर स्वागत किया। दोनों कलाकारों ने छात्रों को कला के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। संगम कला संस्थान भारतीय शास्त्रीय कला के संरक्षण और प्रचार के लिए समर्पित है। संस्थान छात्रों को मंच प्रदान कर भारत की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है।

भारत में बेरोजगारी दर जुलाई में घटकर 5.1 प्रतिशत रही

मुंबई। भारत में बेरोजगारी दर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग में जुलाई में कम होकर 5.1 प्रतिशत हो गई है। इसमें सालाना आधार और मासिक आधार दोनों में गिरावट देखी गई है। यह जानकारी सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी डेटा में दी गई। मंत्रालय की ओर से जारी डेटा में कहा गया कि जुलाई 2026 में पुरुषों और महिलाओं दोनों की बेरोजगारी दर पिछले महीने की तुलना में कम हुई, जिससे पता चलता है कि दोनों ही वर्गों के लिए रोजगार की स्थितियों में सुधार हुआ है। ग्रामीण इलाकों में, जुलाई 2026 में बेरोजगारी दर पिछले महीने के 5 प्रतिशत से घटकर तेजी से 4.5 प्रतिशत हो गई। इसी दौरान, शहरी इलाकों में बेरोजगारी दर 6.6 प्रतिशत के मुकाबले लगभग स्थिर रही।

झारखंड सरकार ने मानी छात्रों की बात

छात्र सवाल पूछें, तो जवाब मिलना चाहिए-राहुल गांधी

नई दिल्ली/ एजेंसी

झारखंड सरकार ने जेएसएससी जेपीएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित घोटाले के विरोध में प्रधर्शन कर रहे छात्रों की मांग मान ली हैं। सोमवार की देर शाम मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जेएसएससी सीजीएल परीक्षाओं को रद्द करने का ऐलान किया। इसे लेकर अब कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने इसे छात्रों की जीत करार दिया। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए खुशी जाहिर की। कांग्रेस नेता ने कहा कि झारखंड के छात्रों और राज्य सरकार के बीच सहमति बनी, और छात्रों ने अपनी भूख हड़ताल समाप्त की- यह खबर सुनकर बहुत खुशी हुई। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी और झारखंड सरकार ने बातचीत का रास्ता चुना, और समाधान निकाला। छात्रों ने संयम रखा, और अपनी बात मनवाई। यही सही तरीका है-छात्र सवाल पूछें, तो जवाब मिलना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि झारखंड के छात्रों और हेमंत सोरेन सरकार के बीच सहमति बनी, और छात्रों ने अपनी भूख हड़ताल समाप्त की यह खबर सुनकर बहुत खुशी हुई। मुख्यमंत्री सोरेन और झारखंड सरकार ने बातचीत का रास्ता चुना, और समाधान निकाला। छात्रों ने संयम रखा, और अपनी बात मनवाई। यही सही तरीका है- छात्र सवाल पूछें, तो जवाब मिलना चाहिए।

एयरपोर्ट से 1.35 करोड़ का सोना सहित दो यात्री गिरफ्तार

कोलकाता। महानगर के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बार फिर भारी मात्रा में सोना बरामद किया गया है। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, बैंकॉक से कोलकाता पहुंची एक उड़ान में कार्रवाई के दौरान करीब 900 ग्राम सोना जब्त किया गया। इस मामले में दो यात्रियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि दोनों यात्री बैंकॉक से कोलकाता पहुंचे थे। पुलिस को दोनों यात्रियों के बारे में पहले से ही गुप्त सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद जांच एजेंसियों और पुलिस की नजर दोनों यात्रियों की गतिविधियों पर थी।संदेह के आधार पर दोनों को रोका गया।

8452 करोड़ हुआ खजाना; जारी हुए ताजा वित्तीय आंकड़े

पीएम केयर्स फंड में 1 साल में 1279 करोड़ का इजाफा

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश में आपात और संकट की परिस्थितियों से निपटने के लिए बनाए गए पीएम केयर्स फंड की वित्तीय स्थिति को लेकर ताजा ऑडिट आंकड़े सार्वजनिक कर दिए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कोष के फंड में लगातार इजाफा देखने को मिला है, जिसमें दान के अलावा बैंकों में जमा रकम पर मिले भारी ब्याज और विभिन्न एजेंसियों से आए रिफंड ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान फंड के खर्च बेहद सीमित रहे हैं, जिसके कारण क्लोजिंग बैलेंस में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 की शुरुआत में पीएम केयर्स फंड का ओपनिंग बैलेंस 7,173.03 करोड़ रुपये था। साल भर में घरेलू और विदेशी दान, बैंक ब्याज और रिफंड के जरिए कुल 1,279.91 करोड़ रुपये की आमदनी दर्ज हुई। वहीं इस दौरान विभिन्न मदों में कुल व्यय मात्र 87.85 लाख रुपये रहा। इस प्रकार वित्तीय वर्ष के अंत यानी 31 मार्च 2025 तक फंड का क्लोजिंग बैलेंस बढ़कर 8,452.07 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। फंड के प्रबंधन में निवेश और जमा पर मिलने वाले रिटर्न का बड़ा योगदान रहा है। रिपोर्ट के अनुसार शेड्यूल्ड बैंकों में किए गए फिक्स्ड डिपॉजिट से फंड को 469.38 करोड़ रुपये का भारी ब्याज मिला।

देश में फांसी के जरिए ही दी जाएगी मौत की सजा

जहरीले इंजेक्शन की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट से खारिज

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत में मृत्युदंड की प्रक्रिया को बदलने और फांसी के बजाय कम तकलीफदेह तरीकों को अपनाने की कानूनी बहस पर सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने वकील ऋषि मल्होत्रा द्वारा दायर उस याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्णय दिया, जिसमें फांसी को अमानवीय बताते हुए वैज्ञानिक व आधुनिक तरीकों से सजा पर अमल करने की गुहार लगाई गई थी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में फांसी की सजा के वैधानिक और संवैधानिक आधार को चुनौती देने का कोई ठोस आधार नहीं बनता है। याचिकाकर्ता ऋषि मल्होत्रा की ओर से दलील दी गई थी कि सीआरपीसी की धारा 354(5) के तहत फांसी की सजा अमानवीय, दर्दनाक और क्रूर है। याचिका में तर्क दिया गया कि फांसी के फंदे पर लटकने के बाद मौत की पुष्टि होने में लगभग 40 मिनट तक का समय लग जाता है, जबकि जहरीला इंजेक्शन देने, गोली मारने, बिजली का झटका देने या गैस चैंबर जैसे आधुनिक तरीकों से यह प्रक्रिया महज 5 मिनट में पूरी हो जाती है। याचिका में संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत 'सम्मान के साथ मरने के अधिकार' को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता देने और संयुक्त राष्ट्र के उस प्रस्ताव का हवाला दिया गया, जिसमें मृत्युदंड के दौरान कम से कम मानवीय पीड़ा सुनिश्चित करने की बात कही गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर 'दीना बनाम भारत संघ' समेत अपने

पुराने तीन फैसलों को वृहद पीठ (बड़ी बेंच) को भेजने से साफ इनकार कर दिया। हालांकि अदालत ने अपने फैसले में यह स्पष्ट किया कि इस याचिका को खारिज करने का अर्थ यह नहीं है कि भविष्य में संवैधानिक समीक्षा के रास्ते पूरी तरह बंद हो गए हैं इतिहास बेंच ने कहा कि यदि आगे चलकर कोई ठोस वैज्ञानिक, मेडिकल या अनुभव-आधारित साक्ष्य सामने आते हैं, जिनसे यह साबित हो कि पहले के फैसलों का तथ्यात्मक आधार बदल चुका है, तो भविष्य में इसकी संवैधानिक जांच की जा सकती है। कोर्टने कहा कि केंद्र सरकार चाहे तो मृत्युदंड के वैकल्पिक तरीकों की व्यापक समीक्षा के लिए विशेषज्ञों की एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र है। इससे पहले की सुनवाइयों के दौरान अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने बताया था कि सरकार इस विषय पर विचार के लिए समिति बना रही है। सुनवाई के दौरान दोषियों को फांसी या जहरीले इंजेक्शन में से विकल्प चुनने की संभावना पर भी चर्चा हुई थी, जिसे केंद्र ने नीतिगत और व्यावहारिक रूप से अव्यवहारिक बताया था। सुप्रीम कोर्ट ने 22 जनवरी को इस मामले में अपनी सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसे अब सुना दिया गया है।

फांसी के अन्य विकल्पों पर विचार करने की अपील

याचिकाकर्ता की ओर से फांसी के विकल्प के तौर पर अन्य तरीकों पर विचार करने की दलील दी गई। इनमें लेथल इंजेक्शन सहित कुछ वैकल्पिक तरीकों का उल्लेख किया गया। दलील थी कि यदि कानून किसी व्यक्ति को मृत्युदंड देता है तो उसे लागू करने का तरीका अनावश्यक पीड़ा पैदा करने वाला नहीं होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने की। याचिका में मौत की सजा लागू करने से संबंधित कानूनी प्रावधान को भी चुनौती दी गई थी। इसमें विशेष रूप से उस व्यवस्था पर सवाल उठाया गया था, जिसके तहत मौत की सजा पाए दोषी को फांसी पर लटकाकर उसकी मृत्यु होने तक रखा जाता है। सुनवाई के दौरान प्रोजेक्ट 39ए की ओर से भी वैकल्पिक तरीकों से जुड़े पहलुओं पर अदालत के सामने दलीलें रखी गईं।

CMYK

नवागढ़ विकासखंड में कृषि केंद्रों का औचक निरीक्षण, अनियमितता मिलने पर कार्रवाई

बेमेतरा। कृषि आदान सामग्री के विक्रय एवं अभिलेखों के संधारण की निगरानी के लिए कृषि विभाग द्वारा नवागढ़ विकासखंड अंतर्गत विभिन्न कृषि केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नियमों का पालन नहीं करने वाले कृषि आदान विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान साहू कृषि केंद्र, भीमपुरी में बिना स्रोत प्रमाण पत्र के कीटनाशक का विक्रय किया जाना पाया गया। इस पर संबंधित कृषि केंद्र को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए तत्काल प्रभाव से कीटनाशक के विक्रय पर प्रतिबंध लगाया गया। इसी प्रकार वर्षा कृषि केंद्र, भीमपुरी में भी बिना स्रोत प्रमाण पत्र के कीटनाशक का विक्रय पाए जाने पर संबंधित विक्रेता को कारण बताओ नोटिस जारी कर कीटनाशक विक्रय पर प्रतिबंध लगाने की कार्रवाई की गई। वहीं साहू कृषि केंद्र, रूसे के निरीक्षण के दौरान स्टॉक रजिस्टर एवं बिल बुक का नियमित रूप से संधारण नहीं किया जाना पाया गया। इस पर संबंधित कृषि केंद्र को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। इसके अतिरिक्त विक्रम कृषि केंद्र, मुरकुटा, आरव कृषि केंद्र, प्रतापपुर एवं कृष्णा कृषि केंद्र, प्रतापपुर का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न कंपनियों द्वारा निर्मित कीटनाशक उत्पादों के नमूने लिए गए, जिन्हें नियमानुसार परीक्षण के लिए भेजने की कार्रवाई की जा रही है। कृषि विभाग ने जिले के सभी कृषि आदान विक्रेताओं को निर्देशित किया है कि कीटनाशक एवं अन्य कृषि आदान सामग्री का विक्रय शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं प्रावधानों के अनुरूप ही करें। साथ ही स्रोत प्रमाण पत्र, स्टॉक रजिस्टर, बिल बुक सहित सभी आवश्यक अभिलेखों का नियमित एवं नियमानुसार संधारण सुनिश्चित करें। उप संचालक कृषि मोरध्वज डडसेना ने कहा कि जिले में कृषि आदान विक्रेताओं की जांच एवं निगरानी की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। निरीक्षण के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डी-मैक दल्ली मॉडर्न आर्ट क्लब ने देशभक्ति को सेवा और संवेदना से जोड़ते हुए फल एवं खाद्य सामग्री का किया वितरण

दल्लीराजहरा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जब पूरा देश आजादी का उत्सव मना रहा था, वहीं डी-मैक दल्ली मॉडर्न आर्ट क्लब ने देशभक्ति को सेवा और संवेदना से जोड़ते हुए एक फल, एक मुस्कान अभियान के माध्यम से एक छोटी-सी, लेकिन दिल को छू लेने वाली पहल की। भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर डी-मैक के सदस्यों ने 300 से अधिक फल एवं खाद्य सामग्री के पैकेट तैयार किए। इनमें केला, मुसंबी, सेब, बिस्कुट और फ्रूटी शामिल थे। इन पैकेटों को दल्लीराजहरा एवं आसपास के विभिन्न अस्पतालों, छात्रावासों और सामाजिक संस्थाओं में वितरित किया गया। इस सेवा अभियान के अंतर्गत शहीद अस्पताल, पुष्पा अस्पताल, गुप्ता अस्पताल, ज्योति अस्पताल, संजीवनी अस्पताल, चिखलाकसा शासकीय अस्पताल, राजहरा माइंस अस्पताल, आदिवासी बालक छात्रावास चिखलाकसा एवं सेवा सरिता सहित विभिन्न स्थानों पर फल एवं खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। अस्पतालों में मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई तथा डॉक्टरों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए मिठाई के पैकेट भेंट किए गए। इस पूरे अभियान की सबसे खूबसूरत तस्वीर वह थी, जब फल का पैकेट पाकर मरीजों, बच्चों, विद्यार्थियों और जरूरतमंद लोगों के चेहरों पर एक प्यारी-सी मुस्कान दिखाई दी। डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन की ओर से भी डी-मैक की इस पहल की सराहना की गई।

प्रेस क्लब डोंगरगांव में तिरंगे को दी सलामी, ध्वजारोहण में शामिल हुए लाइब्रेरी के विद्यार्थी

डोंगरगांव नगर। आजादी के 80वें वर्षगांठ पर प्रेस क्लब डोंगरगांव में ध्वजारोहण किया गया। अध्यक्ष प्रेम गोस्वामी द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर माल्यार्पण किया गया। तदपश्चात ध्वजारोहण कर राष्ट्रगीत तथा राष्ट्रगान की प्रस्तुति हुई। भारतमाता के जयकारे के मध्य समस्त पत्रकारों सहित डिजिटल लाइब्रेरी के विद्यार्थियों ने तिरंगे को सलामी दी। स्वतंत्रता दिवस के ध्वजारोहण कार्यक्रम में प्रमुख तौर से प्रेस क्लब डोंगरगांव के पत्रकारगण बालकृष्ण सिन्हा, गोविन्द गुप्ता, घनश्याम साव, दिवाकर सोनी, महेन्द्र लेखुरे, टिंकू देवांगन, देवेन्द्र गुप्ता, टुम्मन साहू सहित अन्य पत्रकारगण, डिजिटल लाइब्रेरी के विद्यार्थीगण सहित कालोनी के नागरिकगण बच्चे उपस्थित थे।

आजादी राष्ट्रबोध व दायित्व का विषयः जागृति

डोंगरगांव नगर। ब्लॉक के ग्राम माथलडबरी एवं रेंगाकठेरा में देशभक्ति एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया। समारोह में जिला भाजपा उपाध्यक्ष एवं जिला पंचायत सभापति जागृति चुन्नी यदु मुख्य अतिथि बतौर शामिल हुईं। उन्होंने ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी। मुख्य अतिथि ने क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की। ध्वजारोहण के पश्चात उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए जागृति चुन्नी यदु ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि देश के लिए अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को याद करने का दिन भी है। देश की आजादी के लिए वीर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अपना जीवन समर्पित किया। उनके त्याग और बलिदान के कारण आज हम स्वतंत्र भारत में सम्मान और स्वाभिमान के साथ जीवन जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों को अपने जीवन में उतारते हुए देश की एकता, अखंडता और विकास के लिए निरंतर कार्य करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आज के बच्चे ही देश का भविष्य हैं। विद्यार्थी शिक्षा के साथ अनुशासन, संस्कार और राष्ट्रप्रेम को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं तथा अपने गांव, क्षेत्र और जिले का नाम रोशन करने के लिए निरंतर प्रयास करें। उन्होंने ग्रामीणों से भी शिक्षा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक एकता के क्षेत्र में सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

ग्राम माथलडबरी में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य एवं विभिन्न देशभक्ति कार्यक्रमों के माध्यम से उपस्थित लोगों में राष्ट्रप्रेम की भावना का संचार किया। उनकी मनमोहक प्रस्तुतियों पर उपस्थित ग्रामीणों ने तालियों से उत्साहवर्धन किया।

राजहरा महिला समाज की ओर से बच्चों को पढ़ाई में होने वाली परेशानी को देखते हुए स्कूल को 5 नग एयर कूलर प्रदान किए

दल्लीराजहरा। इस स्वतंत्रता दिवस पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोटागांव के छात्र-छात्राओं को राजहरा महिला समाज की ओर से बड़ी सौगात मिली है। गर्मी के दिनों में बच्चों को पढ़ाई में होने वाली परेशानी को देखते हुए महिला समाज ने स्कूल को 5 नग एयर कूलर प्रदान किए हैं। महिला समाज ने साथ ही स्कूल में प्रसाधन कक्ष की छत निर्माण के लिए जीआई शीट एवं एंगल देने का आश्वासन भी दिया है। राजहरा महिला समाज की अध्यक्ष रेखा गहरवार ने बताया कि संस्था विगत कई वर्षों से विभिन्न सामाजिक कार्य कर रही है। जरूरतमंद लोगों की आर्थिक मदद, बीमारी में इलाज, गरीब बेटियों की शादी, प्रतिभावान छात्र-छात्राओं की उच्च शिक्षा के लिए सहायता के साथ-साथ विभिन्न स्कूलों, सामाजिक संस्थाओं एवं ग्राम पंचायतों को बर्तन, म्यूजिक सिस्टम, दरी जैसी आवश्यक सामग्री समय-समय पर उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने बताया कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं एवं पुरुषों को ठंड से बचाने के लिए कंबल, चादर, गर्म कपड़े, मच्छरदानी, भोजन पैकेट जैसी कई सामग्री भी अब तक वितरित की जा चुकी है। ग्रामीण अंचलों में जागरूकता अभियान एवं स्वास्थ्य शिविर भी लगाए गए हैं। इसके अलावा दल्ली राजहरा के महिला समाज कार्यालय के पास कई वर्षों से आंगनवाड़ी स्कूल का संचालन भी संस्था द्वारा किया जा रहा है। लोगों को शुद्ध और शत प्रतिशत मसाले उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महिला समाज द्वारा लघु मसाला उद्योग भी संचालित किया जा रहा है। यहां लागत मूल्य पर धनिया, मिर्ची, हल्दी एवं गरम मसाला उपलब्ध कराया जाता है। कोटागांव स्कूल में कूलर देने का उद्देश्य है कि बच्चे गर्मी में बिना किसी परेशानी के अपनी पढ़ाई पूरे मन से कर सकें। स्कूल के प्राचार्य योगेश कुमार धगट एवं व्याख्याता सीमा राजोरिया ने इस पुनीत कार्य के लिए महिला समाज के सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया है।

छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन ने विधायक भावना बोहरा का किया स्वागत

कवर्धा। अमरकंटक से भोरमदेव तक भगवान भोलेनाथ की भक्ति से ओतप्रोत 151 किलोमीटर की कांवड़ पदयात्रा में पंडरिया विधायक भावना बोहरा के साथ सात दिनों तक पैदल चलने वाले कांवड़ियों का उत्साह जगह-जगह स्वागत से बढ़ता रहा। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन, कबीरधाम ने विधायक भावना बोहरा का स्वागत किया। यूनियन पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंटकर विधायक भावना बोहरा का अभिनंदन किया और पदयात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष श्याम टंडन, प्रदेश सचिव विकास शुक्ला, उमेश छेदावी, टिकेश्वर साहू, गुरुदीप सिंह एवं तोरण कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। पदाधिकारियों ने कहा कि अमरकंटक से भोरमदेव तक की यह पदयात्रा धार्मिक आस्था के साथ सेवा, समर्पण और सामाजिक एकजुटता का संदेश दे रही है। विधायक भावना बोहरा का कांवड़ियों के साथ लगातार 151 किलोमीटर पैदल चलना श्रद्धालुओं के लिए उत्साहवर्धक रहा। विधायक भावना बोहरा ने स्वागत के लिए छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भगवान भोलेनाथ की भक्ति और श्रद्धालुओं की आस्था ने इस यात्रा को विशेष बना दिया है।

जिपंसभापति ने किया प्रार्थना शेड हेतु भूमिपूजन

डोंगरगांव नगर। ग्राम रेंगाकठेरा में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान प्रार्थना शेड निर्माण के लिए भूमिपूजन किया गया। मुख्य अतिथि जागृति चुन्नी यदु ने विधिवत स्थल पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रार्थना शेड के निर्माण से विद्यार्थियों को सामूहिक प्रार्थना सहित विभिन्न शाला गतिविधियों के लिए सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता मधु ओमेश यदु ने की। विशेष अतिथि बतौर वरिष्ठ भाजपा नेता चुन्नी यदु, प्रेम सिन्हा, प्रदीप पटेल, ओमेश यदु, टुमन साहू, मलखन नायक, पीताम्बर कंवर, रामचंद्र ठाकुर, लोकेश पुराम, राहुल मंडावी, लोमेश यादव, राजकुमारी देवांगन, अनिता भोईर, सुनीता पटेल, गणेश यादव, देव प्रकाश पटेल, प्रकाश धनकर, भुखन पटेल सहित शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

डी.ए.वी. स्कूल जांता में देशभक्ति के उल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

बेमेतरा। सीबीएसई विद्यालय डी.ए.वी. स्कूल जांता में स्वतंत्रता दिवस समारोह अत्यंत हर्षोल्लास, गरिमा एवं राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूजा देवव्रत मिश्रा, सरपंच ग्राम पंचायत जांता, सरपंच प्रतिनिधि देवव्रत मिश्रा, पंच हीरालाल चंद्राकर सहित बड़ी संख्या में पालकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों के साथ विद्यालय के प्राचार्य पी. एल. जायसवाल द्वारा ध्वजारोहण किया गया। तिरंगे को सलामी देने के पश्चात राष्ट्रगान की सामूहिक प्रस्तुति से संपूर्ण विद्यालय परिसर देशभक्ति के भाव से ओत-प्रोत हो उठा। विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनसमुदाय ने उत्साहपूर्वक 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' एवं 'जय हिंद' के उद्घोष किए। समारोह के दौरान विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीत, ओजपूर्ण भाषण, कविता-पाठ, नृत्य एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों एवं राष्ट्रनायकों के त्याग, तपस्या, साहस और बलिदान को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं देश के प्रति समर्पण की भावना स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। विशेष रूप से नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने अतिथियों एवं पालकों को भावविभोर कर दिया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यालय परिसर को तिरंगे ध्वजों, गुब्बारों, पुष्पों एवं आकर्षक सजावट से भव्य रूप प्रदान किया गया था। परिसर में चारों ओर लहराता तिरंगा राष्ट्रीय गौरव एवं स्वतंत्रता की भावना को अभिव्यक्त कर रहा था। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में विद्यालय के प्राचार्य पी. एल. जायसवाल ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष एवं बलिदान से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता हमें अपने अधिकारों के साथ-साथ राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का बोध भी कराती है। विद्यार्थियों को अनुशासन, ईमानदारी, जिम्मेदारी एवं नैतिक मूल्यों को जीवन में आत्मसात करते हुए देश के विकास में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

कृषि केंद्रों का औचक निरीक्षण, अनियमितता मिलने पर कारण बताओ नोटिस

बेमेतरा। कृषि विभाग द्वारा जिले में कृषि आदान सामग्री के भंडारण, अभिलेखों के संधारण एवं विक्रय व्यवस्था की नियमित निगरानी के क्रम में विकासखंड बेरला अंतर्गत विभिन्न कृषि केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अभिलेखों के संधारण में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित कृषि आदान विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान वर्मा कृषि केंद्र, कोदवा एवं जय भोले कृषि केंद्र, कोदवा में स्टॉक रजिस्टर एवं बिल बुक का नियमित एवं नियमानुसार संधारण नहीं किया जाना पाया गया। उक्त अनियमितता को गंभीरता से लेते हुए दोनों कृषि केंद्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया तथा तत्काल प्रभाव से कृषि आदान सामग्री के विक्रय पर प्रतिबंध लगाने की कार्रवाई की गई। इसी प्रकार सिद्धिविनायक कृषि केंद्र, कोदवा एवं तिवारी कृषि केंद्र, घोटमर्रा के निरीक्षण के दौरान स्टॉक रजिस्टर का समुचित रूप से संधारण नहीं किया जाना पाया गया। इस पर संबंधित कृषि केंद्रों को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कृषि विभाग द्वारा कृषि आदान विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि वे उर्वरक, बीज, कीटनाशक सहित अन्य कृषि आदान सामग्री के भंडारण एवं विक्रय से संबंधित सभी आवश्यक अभिलेखों का नियमित एवं नियमानुसार संधारण सुनिश्चित करें। स्टॉक रजिस्टर एवं बिल बुक में प्रत्येक आवक एवं विक्रय का सही एवं अद्यतन विवरण दर्ज किया जाए तथा शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं प्रावधानों का अनिवार्य रूप से पालन किया जाए। कृषि आदान विक्रेताओं को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि कृषि सामग्री के भंडारण एवं विक्रय में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले में कृषि आदान विक्रेताओं की जांच एवं निगरानी की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी तथा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

विधायक भावना बोहरा और कांवड़ियों ने किया भोरमदेव में जलाभिषेक, अमरकंटक से भोरमदेव तक 151 किमी की कांवड़ यात्रा पूर्ण

हर कदम शिव को समर्पित, हर श्वास में हर हर महादेव

पंडरिया। पैरों में माहुर रंग, एक हाथ में राष्ट्र ध्वज तिरंगा और दूसरे हाथ में कांवड़ के साथ पंडरिया विधायक भावना बोहरा और 600 कांवड़ियों ने यात्रा के अंतिम दिन बाबा भोरमदेव के जलाभिषेक के लिए प्रस्थान किया। इसके साथ ही 16 अगस्त को अपने अंतिम पड़ाव के लिए बोड़ला से निकली यह यात्रा भोरमदेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के साथ माँ नर्मदा मंदिर अमरकंटक से भोरमदेव तक 151 किलोमीटर की कांवड़ पदयात्रा पूर्ण हुई। 10 अगस्त को माँ नर्मदा मंदिर अमरकंटक से शुरू हुई इस यात्रा में भारतीय संस्कृति के साथ-साथ आस्था, श्रद्धा, राष्ट्रप्रेम और सनातन संस्कृति के अद्भुत संगम का साक्षी बना भोरमदेव धाम, जहां पंडरिया विधायक भावना बोहरा के नेतृत्व में अमरकंटक स्थित माँ नर्मदा मंदिर से प्रारंभ हुई 151 किलोमीटर की ऐतिहासिक कांवड़ पदयात्रा का आज भव्य एवं भावपूर्ण समापन हुआ। विधायक भावना बोहरा एवं 600 कांवड़ यात्रियों ने भगवान भोलेनाथ के जयघोष के साथ भोरमदेव मंदिर पहुंचकर माँ नर्मदा के जल से जलाभिषेक किया। इस दौरान विगत वर्ष से भी अधिक भक्तों की भीड़ मंदिर परिसर में देखने को मिली। हजारों की संख्या में कांवड़ियों और श्रद्धालुओं का मंदिर में कांवड़ यात्रा के स्वागत एवं भोलेनाथ के दर्शन हेतु आगमन हुआ। इतनी विशाल संख्या में उमड़े जनसैलाब से पूरा क्षेत्र शिवभक्ति में रम गया और हर हर महादेव एवं बोल बम के नारे से पूरा कबीरधाम जिला भक्तिमय हो उठा। कांवड़ यात्रियों के भोरमदेव पहुंचते ही पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव, बोल बम और भारत माता की जय के जयघोष से गूंज उठा। हजारों श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों ने पुष्पवर्षा कर कांवड़ यात्रियों का भव्य स्वागत किया। सड़क के दोनों ओर उमड़े जनसैलाब ने यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाया और भोरमदेव की धरती आस्था एवं राष्ट्रभक्ति के रंग में सराबोर नजर आई। माँ नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक से भगवान भोरमदेव तक की इस 151 किलोमीटर की पदयात्रा में श्रद्धालुओं ने कठिन वनांचल मार्गों, पहाड़ी रास्तों, नदियों, तेज बारिश और अनेक चुनौतियों के बीच भी अपनी आस्था और संकल्प को कमजोर नहीं होने दिया। यात्रा के दौरान प्रकृति के बीच से गुजरते हुए कांवड़ियों ने भगवान भोलेनाथ का स्मरण करते हुए निरंतर पदयात्रा जारी रखी। पैरों में पड़े छालों और थकान के बावजूद श्रद्धालुओं के कदम रुके नहीं, बल्कि हर-हर महादेव के जयघोष के साथ उनका उत्साह लगातार बढ़ता गया। इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि यह यात्रा मेरे लिए केवल 151 किलोमीटर की पदयात्रा नहीं, बल्कि माँ नर्मदा और भगवान भोलेनाथ के प्रति अटूट आस्था, सनातन संस्कृति के प्रति समर्पण और राष्ट्र के प्रति गौरव की अनुभूति का आध्यात्मिक संकल्प था।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा चिल्हर की व्यवस्था कर उपलब्ध कराने से व्यापारियों एवं नागरिकों को मिली राहत

दल्ली राजहरा। नगर के व्यापारियों एवं नागरिकों को लंबे समय से हो रही खुदरा चिल्हर की समस्या को देखते हुए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, शाखा दल्ली राजहरा द्वारा चिल्हर वितरण की सराहनीय पहल की गई। बैंक द्वारा लगभग 250 व्यापारियों एवं नागरिकों को कुल 5,25,000/- (पाँच लाख पच्चीस हजार रुपये) की खुदरा चिल्हर उपलब्ध कराई गई। व्यापारियों की इस गंभीर समस्या को लेकर छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, इकाई दल्ली राजहरा, अनाज किराना व्यापारी संघ एवं राजहरा व्यापारी संघ द्वारा लंबे समय से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के समक्ष चिल्हर की व्यवस्था किए जाने की मांग रखी जा रही थी। बाजार में चिल्हर की कमी के कारण व्यापारियों एवं ग्राहकों को दैनिक लेन-देन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। तीनों व्यापारी संगठनों के आग्रह एवं व्यापारियों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा चिल्हर की व्यवस्था कर उपलब्ध कराई गई, जिससे बड़ी संख्या में व्यापारियों एवं नागरिकों को राहत मिली है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज,अनाज किराना व्यापारी संघ, राजहरा व्यापारी संघ ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के ए.जी.एम. रामदास अरुण, मांझी (कांकेर) एवं शाखा प्रबंधक राकेश घोड़ेस्वर, कैशियर प्रकाश साकुरे एवं समस्त स्टेट बैंक के कर्मचारी का हार्दिक आभार एवं अभिनंदन व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

जंगल में नर हाथी के हमले से ग्रामीण की मौत मौके पर ही तोड़ा दम

रायपुर। ग्राम शिवपुर निवासी शिवप्रसाद सिंह के पिता इन्द्रनाथ सिंह की रविवार सुबह नर हाथी के हमले में मौत हो गई। घटना सुबह करीब 5:30 बजे शिवपुर जंगल क्षेत्र की बताई जा रही है। बताया गया कि इन्द्रनाथ सिंह भैंस चराने के लिए जंगल की ओर गए थे, इसी दौरान झारखंड की ओर से आए एक नर हाथी ने उन पर हमला कर दिया। हाथी द्वारा कुचल दिए जाने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। रेंजर दिलरुबा बानो ने बताया कि झारखंड की ओर से एक नर हाथी शिवपुरी जंगल क्षेत्र में पहुंचा था। इसी दौरान भैंस चराने गए ग्रामीण पर हाथी ने हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। वन विभाग द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए रामानुजगंज के 100 बिस्तर अस्पताल लाया जा रहा है। घटना के बाद क्षेत्र में वन विभाग की टीम द्वारा हाथी की मौजूदगी और ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर निगरानी बढ़ा दी गई है। रेंजर दिलरुबा बानो ने बताया कि वन विभाग लगातार सुबह-शाम प्रचार-प्रसार के माध्यम से ग्रामीणों को जंगल की ओर नहीं जाने तथा हाथियों से दूरी बनाए रखने की हिदायत दे रहा है। इसके बावजूद ग्रामीण जंगल में चले जाते हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि हाथियों की मौजूदगी वाले क्षेत्रों में जाने से बचें और वन विभाग द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। घटना के बाद मृतक के परिवार में शोक का माहौल है। वहीं, हाथी के हमले में ग्रामीण की मौत से आसपास के गांवों में भी दहशत का माहौल बना हुआ है।

सीमा पर तैनात जवानों के लिए छत्तीसगढ़ से 21 लाख से अधिक राखियां,

रायपुर। रक्षाबंधन के अवसर पर छत्तीसगढ़ में 'ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र 0.4' अभियान के तहत देश की सीमाओं पर तैनात भारतीय सेना के जवानों के लिए 21 लाख से अधिक रक्षा सूत्र यानी राखियां भेजी जा रही हैं। अभियान में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े भी शामिल हुईं और उन्होंने जवानों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि प्रदेश की महिलाओं, स्कूली बच्चों और कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने अभियान में उत्साह और देशभक्ति के साथ भागीदारी की है। कई महिलाओं और बच्चों ने अपने हाथों से राखियां तैयार कर जवानों के लिए शुभकामना संदेश भी लिखे हैं। उन्होंने बताया कि राखियों के साथ प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों की पवित्र मिट्टी भी जवानों को भेजी जा रही है। यह मिट्टी और शुभकामना संदेश सीमा पर देश की रक्षा में दिन-रात तैनात सैनिकों के प्रति छत्तीसगढ़वासियों के प्रेम, सम्मान और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है। मंत्री ने कहा कि 21 लाख से अधिक रक्षा सूत्र जवानों तक पहुंचाए जाएंगे। इस अभियान के जरिए प्रदेश की बहनों, बच्चों और युवाओं ने सैनिकों को यह संदेश देने का प्रयास किया है कि देश की सुरक्षा में तैनात जवान अकेले नहीं हैं।

छात्रहित में लिया गया फैसला अब 31 अगस्त तक ले सकेंगे प्रवेश- मंत्री टंक राम वर्मा

रायपुर। उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि हमारी सरकार का मूल ध्येय प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा का प्रकाश पहुँचाना है। दूरस्थ और ग्रामीण अंचलों के कई मेधावी युवा विभिन्न व्यावहारिक कठिनाइयों के कारण समय पर प्रवेश नहीं ले सके थे। हम नहीं चाहते कि तिथियों के फेर में किसी भी योग्य विद्यार्थी का एक साल खराब हो या वह उच्च शिक्षा से वंचित रह जाए। छात्रहित को सर्वोपरि रखते हुए प्रवेश की तारीख 31 अगस्त तक बढ़ाई गई है। मैं सभी विद्यार्थियों से अपील करता हूँ कि वे इस अवसर का पूरा लाभ उठाएं। छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के हजारों विद्यार्थियों को बड़ी राहत देते हुए शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कॉलेजों में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। राज्य के जिन शासकीय और निजी महाविद्यालयों में अभी भी सीटें रिक्त हैं, वहाँ छात्र अब 31 अगस्त 2026 तक दाखिला ले सकेंगे। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा इस संबंध में विधिवत आदेश जारी कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत प्राचार्य स्तर पर प्रवेश की समय सीमा 31 जुलाई तक और कुलपति की अनुमति से 14 अगस्त तक तय की गई थी।

अवैध शराब की बड़ी खेप जब्त, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने अवैध शराब की बिक्री एवं तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए भाटापारा शहर के संत माता कर्मा वार्ड में बड़ी मात्रा में अवैध शराब जब्त की है। पुलिस ने घर के भीतर बिक्री के लिए छिपाकर रखी गई 52.520 बल्क लीटर देशी-विदेशी शराब एवं बीयर बरामद करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देश पर थाना भाटापारा शहर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि संत माता कर्मा वार्ड निवासी संजय बंजारे अपने घर में बिक्री के लिए भारी मात्रा में अवैध शराब छिपाकर रखा हुआ है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दृष्टिबाधित छात्रा जयमंती खेस को भेंट किया लैपटॉप

दृष्टिबाधा नहीं बनी बाधा, जयमंती के सपनों को मिली डिजिटल उड़ान

- मुख्यमंत्री ने बढ़ाया हौसला- शिक्षक राष्ट्र निर्माता होते हैं, मेहनत से अपने सपने को जरूर साकार करें
- विशेष सॉफ्टवेयर से पढ़ाई होगी आसान, अध्ययन सामग्री को सुनकर कर सकेंगी अध्ययन

रायपुर/ संवाददाता

मजबूत इरादों के आगे कठिनाइयां भी रास्ता छोड़ देती हैं। जशपुर जिले के कुनकुरी विकासखंड के ग्राम गोरिया की शत-प्रतिशत दृष्टिबाधित छात्रा जयमंती खेस ने अपनी दृष्टिबाधा को कभी शिक्षा की राह में बाधा नहीं बनने दिया। उच्च शिक्षा प्राप्त कर शिक्षक बनने का सपना संजोए जयमंती की पढ़ाई को अब तकनीक का मजबूत सहारा मिला है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज ग्राम बगिया स्थित अपने निवास पर जयमंती को विशेष सॉफ्टवेयर युक्त लैपटॉप प्रदान कर उनका हौसला बढ़ाया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। जयमंती वर्तमान में डिग्री गर्ल्स कॉलेज, रायपुर में बी.ए. अंतिम वर्ष की छात्रा हैं। दृष्टिबाधा के बावजूद शिक्षा के प्रति उनकी लगन और आगे बढ़ने का जज्बा मजबूत है। लैपटॉप मिलने से अब डिजिटल अध्ययन सामग्री तक उनकी पहुंच आसान होगी और वे आधुनिक तकनीक की सहायता से अपनी पढ़ाई को अधिक सुगमता से आगे बढ़ा सकेंगी। लैपटॉप प्राप्त करते समय जयमंती के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह लैपटॉप उनकी पढ़ाई में बेहद उपयोगी साबित होगा। इससे अध्ययन सामग्री तक पहुंच आसान होने के साथ उच्च शिक्षा के अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने में भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने लैपटॉप प्रदान करने के दौरान जयमंती से आत्मीय

बातचीत की। उन्होंने छात्रा की पढ़ाई के बारे में जानकारी ली और पूछा, आगे क्या बनना चाहती हो जयमंती ने आत्मविश्वास से जवाब दिया, शिक्षक बनना चाहती हूं। जयमंती का लक्ष्य जानकर मुख्यमंत्री ने उनका उत्साहवर्धन करते हुए कहा, शिक्षक राष्ट्र निर्माता होते हैं। पूरी लगन से पढ़ाई करें और अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए निरंतर आगे बढ़ती रहें। मुख्यमंत्री ने उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दृढ़ संकल्प और परिश्रम से जीवन की कठिन से कठिन चुनौती को पार कर अपने सपनों को साकार किया जा सकता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को शिक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें, इसके लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। विशेष रूप से दिव्यांग विद्यार्थियों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप संसाधन और सहयोग उपलब्ध कराकर उन्हें शिक्षा एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता है। जयमंती ने अपनी पढ़ाई को सुगम बनाने के लिए कलेक्टर जनदर्शन में लैपटॉप उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। छात्रा की आवश्यकता और शिक्षा के प्रति उनकी लगन को देखते हुए कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके बाद समाज कल्याण विभाग ने छात्रा की विशेष जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सहायक सॉफ्टवेयर से युक्त लैपटॉप तैयार कराया। आज मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने स्वयं यह लैपटॉप जयमंती को प्रदान किया। इस प्रकार जनदर्शन में छात्रा द्वारा रखी गई आवश्यकता का समाधान उसके शिक्षा के सपने को आगे बढ़ाने का माध्यम बन गया। समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जयमंती की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए लैपटॉप में विशेष सहायक सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराया गया है। इसकी सहायता से स्क्रीन पर उपलब्ध सामग्री को आवाज के माध्यम से सुना और समझा जा सकेगा।

छत्तीसगढ़ में अगले चार दिन तक भारी बारिश का अलर्ट

- उत्तरी छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में मानसून एक बार फिर सक्रिय नजर आ रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, अगले चार दिनों तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रह सकता है। वहीं, उत्तरी छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने गरज-चमक और वज्रपात को लेकर भी लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। इस दौरान तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी-मध्य झारखंड और आसपास के क्षेत्रों में निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके प्रभाव से छत्तीसगढ़ में नमी बढ़ने और बारिश की गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है। प्रदेश के कई हिस्सों में बादल छाए रहने के साथ रुक-रुककर बारिश हो सकती है। खासकर उत्तरी हिस्सों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश की स्थिति बन सकती है। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। एक-दो स्थानों पर भारी बारिश के साथ गरज-चमक और वज्रपात की संभावना है। 19 अगस्त को भी अधिकांश इलाकों में बारिश का दौर जारी रहेगा। कुछ स्थानों पर भारी बारिश और बिजली गिरने की स्थिति बन सकती है। कई जगह हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है। इस दौरान गरज-चमक और वज्रपात का खतरा भी रहेगा। 20 अगस्त को भी प्रदेश के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है, लेकिन किसी विशेष चेतावनी की संभावना नहीं है। 21 अगस्त को भी कई इलाकों में बारिश हो सकती है और मौसम विभाग ने इस दिन भी किसी विशेष चेतावनी की संभावना नहीं जताई है।

विभाजन की पीड़ा से एकजुट भारत के संकल्प तक: उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

रायपुर। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने देश के विभाजन की पीड़ा को स्मरण करते हुए युवाओं से इतिहास से सीख लेकर भारत की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह दिवस केवल अतीत को याद करने का नहीं, बल्कि एक मजबूत और एकजुट भारत के निर्माण का संकल्प लेने का अवसर है। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि देश का विभाजन राजनीतिक परिस्थितियों का परिणाम था, जिसकी कीमत करोड़ों लोगों ने विस्थापन, पीड़ा और संघर्ष के रूप में चुकाई। इसलिए नई पीढ़ी को इतिहास की सच्चाइयों को समझना चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसे हालात दोबारा न बनें।

कॉरपोरेट मित्रों का हजारों करोड़ माफ करने वाली सरकार

भाजपा अब गांव, गरीब, किसान से वसूलेगी टैक्स : विनोद चंद्राकर....

रायपुर। संवाददाता

पूर्व संसदीय सचिव छग शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने केंद्र की मोदी सरकार पर पंचायती राज व्यवस्था को ध्वस्त करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि मोदी सरकार ने अब गांवों को भी वसूली का टोल प्लाजा बना दिया है। महासमुंद जिला सहित पूरे छत्तीसगढ़ की पंचायतों को केंद्र सरकार की ओर से फरमान भेज दिया गया है कि अब हर ग्रामीण परिवार से टैक्स के नाम पर वसूली शुरू की जाए। सालाना 1200 रुपये तक प्रकाश कर, सफाई कर और अन्य स्थानीय करों का बोझ सीधे गरीब, किसान और मजदूर के सिर पर डालने की तैयारी

पूरी कर ली गई है। यह फैसला बताता है कि भाजपा को गांव की मिट्टी से नहीं बल्कि गांव की जेब से मोहब्बत है। श्री चंद्राकर ने कहा कि पिछले 12 साल में इस सरकार ने किसान को सिर्फ नारे दिए। खाद महंगी कर दी, डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं, बीमा और मुआवजे के नाम पर खानापूर्ति होती है। मनरेगा का बजट घटा दिया गया। ग्रामीण सड़कों और स्वास्थ्य केंद्रों के लिए पैसा रोक दिया गया। अब सरकार कह रही है कि पंचायतें अपने पैरों पर खड़ी हों। पूर्व संसदीय सचिव ने सवाल किया कि पंचायते अपने पैरों पर खड़ी कैसे होंगी। जब केंद्र ने उनकी कमर ही तोड़ दी। परफॉर्मेंस ग्रांट के नाम पर पंचायतों को ब्लैकमेल किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि अगर तुम जनता से पैसा नहीं निकालोगे तो हम विकास का पैसा नहीं देंगे। यह कैसी संघीय व्यवस्था है जिसमें केंद्र अपनी नाकामी छिपाने के लिए राज्यों और पंचायतों को जनता के सामने खलनायक बना रहा है। श्री चंद्राकर ने कहा कि 1200 रुपये सालाना उस परिवार से कौन देगा, जिसके घर में महीने भर चूल्हा जलना मुश्किल है।

बांगो डैम के 5 गेट खुले, गांवों में मुनादी कराकर लोगों को सतर्क...

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में बारिश का दौर जारी है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। सरगुजा संभाग में कुछ जगहों पर भारी बारिश हुई। कोरबा में लगातार बारिश के बीच मिनीमाता बांगो डैम का जलस्तर 92.48 प्रतिशत पहुंच गया है। 5 गेट खोलकर 3005 क्यूसेक पानी हसदेव नदी में छोड़ा गया। इसके बाद प्रशासन ने बाढ़ का अलर्ट जारी किया है। नदी किनारे बसे 35 गांवों में मुनादी कराकर लोगों को सतर्क किया गया है। मिनीमाता बांगो डैम के 5 गेट खोले जाने के बाद प्रशासन ने जिले के 35 गांवों में बाढ़ का अलर्ट जारी किया है। इनमें बांगो, चर्रा, पोड़ी-उपरोड़ा, कोनकोना, लेपरा, टुनियाकछार, पाथा, गाड़ाघाट, छिनमेर, कछार, कलमीपारा, सिलीयारीपारा, जूनापारा, तिलाईडाड, डुगुपारा, टुंगुमांड़ा, छिर्रापारा, मछलीबाटा, कोरियाघाट, धनगांव, डोंगाघाट, नरमदा, औराकछार, सोनगुड़ा, जेलगांव, झाबू, नवागांव, तिलसाभाटा, लोतलोता, स्याहीमुड़ी, कोडा, हथमार, झोरा और सिरकीकला शामिल हैं। पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा बारिश कोटाडोल में 130 एमएम रिकॉर्ड हुई। शंकरगढ़ और पोड़ी उपरोड़ा में 110-110 एमएम बारिश हुई। सन्ना, दौरा कोचली और रघुनाथनगर में 80-80 एमएम जबकि जनकपुर-भरतपुर में 70 एमएम बारिश दर्ज की गई। बलरामपुर, वाड्रफनगर, चलगली और सामरी में 60-60 एमएम बारिश हुई। रतनपुर, कुनकुरी, बेलतरा, पचपेड़ी, भैसमा, कोरबा, बेलगहना, मनोरा, सकरी और मस्तूरी में 50-50 एमएम पानी गिरा। पाली, बगीचा, रामचंद्रपुर, दुलदुला, सीपत, करतला और जगदलपुर में 40-40 एमएम बारिश हुई। पेंड्रा, रामानुजगंज, मनेंद्रगढ़, कांसाबेल, कुसमी, कोंटा, बस्तर, जशपुरनगर, नवागढ़, मरवाही, पामगढ़, केल्हारी, पेंड्रा रोड, चांदो, बिलासपुर, अकलतरा, टोकापाल, सकरी, सकौला, बैकुंठपुर और खड़गवां में 30 एमएम तक बारिश रिकॉर्ड हुई। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार को प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं उत्तर छत्तीसगढ़ के कुछ जगहों पर भारी बारिश का अलर्ट है। इस दौरान गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की भी आशंका है।

राष्ट्रगीत 'वन्देमातरम् के घोर अपमान पर गांधी परिवार और खड़गे के खिलाफ दर्ज हो एफआईआर : भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पाण्डेय ने कांग्रेस मुख्यालय में राष्ट्रगीत 'वन्देमातरम्' के प्रति अनादर प्रदर्शित करने पर सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर तीखा हमला बोलते हुए इसे देश की संप्रभुता, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और राष्ट्र के गौरव का खुला अपमान करार देते हुए तीनों नेताओं के विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता व सांसद श्री पाण्डेय ने कहा कि जिस 'वन्देमातरम्' के उद्घोष ने देश के स्वाधीनता आंदोलन को ऊर्जा दी और जिसके लिए लाखों वीरों ने हँसते-हँसते अपने प्राणों की आहुति दे दी, उसी राष्ट्रगीत का अपमान कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय में उसके शीर्ष नेताओं द्वारा ही होना अत्यंत शर्मनाक और निंदनीय है। यह कृत्य साबित करता है कि गांधी परिवार और कांग्रेस नेतृत्व के मन में भारत के राष्ट्रीय प्रतीकों और संविधान के प्रति रत्तीभर भी सम्मान नहीं है। श्री पाण्डेय ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास हमेशा से राष्ट्र प्रतीकों की उपेक्षा और संकीर्ण वोट बैंक की राजनीति का रहा है।

स्थानीय संसाधन और महिलाओं के कौशल से बन रही आकर्षक राखी

- राखी त्यौहार को लेकर तैयार हैं लोकल उत्पाद
- समूह की दीदियां पूरे उत्साह के साथ अपने उत्पाद बना रही है और इन्हें बाजार में आकर्षक दर में उपलब्ध कराया जाएगा

रायपुर/ संवाददाता

राखी त्यौहार को लेकर तैयार हैं लोकल उत्पादभाई बहन के प्रेम और सुरक्षा के बंधन का प्रतीक रक्षा बंधन का त्यौहार अब आने को है। इसे लेकर स्व सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं ने बड़ी संख्या में लोकल उत्पाद तैयार किए हैं और यह कोरिया वासियों के लिए बाजार में भी उपलब्ध हैं। रक्षाबंधन पर्व को लेकर ब्लॉक बैकुंठपुर की महिला स्व-सहायता समूहों की दीदियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। जनपद बैकुंठपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मझगंवा की प्रगति महिला समूह एवं ग्राम पंचायत आमगांव की बजरंग महिला समूह की दीदियों द्वारा अपने हुनर और रचनात्मकता से आकर्षक एवं डिजाइनर राखियां तैयार की जा रही हैं। दीदियों द्वारा निर्मित उत्पाद मुख्यालय बैकुंठपुर के स्थानीय बाजार में विक्रय हेतु उपलब्ध है। स्व सहायता महिला समूहों की दीदियां धान, चावल, स्टोन ,रेसीन जैसी सामग्रियों का उपयोग कर सुंदर एवं आकर्षक राखियां बना रही हैं। इन राखियों में ग्रामीण संस्कृति के साथ स्थानीय संसाधनों और महिलाओं की कला-कौशल का अनूठा मेल देखने को मिल रहा है। जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री योगेंद्र श्रीवास ने बताया कि राखियों को तैयार करने का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ते हुए उनकी आय में वृद्धि करना और स्थानीय स्तर पर आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है। समूह की दीदियां पूरे उत्साह के साथ अपने उत्पाद बना रही है और इन्हें बाजार में आकर्षक दर में उपलब्ध कराया जाएगा। प्रत्येक उत्पाद यदि स्थानीय स्तर पर तैयार हो रहा है तो हम सभी को उसके उपयोग के लिए आगे आना है। कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने अपील की है कि प्रत्येक कोरियावासी महिला समूहों की दीदियों द्वारा बनाई गई राखियां खरीद कर स्थानीय महिलाओं को आर्थिक स्वावलंबन में मदद करें।

रक्षाबंधन पर मिला उपहार बना आत्मनिर्भरता का माध्यम

ई-रिक्शा ने बदली संगीता देवी की जिंदगी... आत्मनिर्भरता की राह पर बनीं लखपति दीदी

- बिहान से जुड़कर स्वरोजगार की नई राह चुनी, ई-रिक्शा से हर माह 15 से 18 हजार रुपये की शुद्ध आय
- रक्षाबंधन पर मिला ई-रिक्शा बना संगीता के लिए आत्मनिर्भरता, स्वाभिमान और सम्मान का प्रतीक

रायपुर/ संवाददाता

स्वतंत्रता दिवस केवल देश की आजादी का पर्व नहीं, बल्कि

आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान की भावना को मजबूत करने का अवसर भी है। आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की जिम्मेदारियों में योगदान देने वाली जशपुर जिले के दुलदुला विकासखंड की श्रीमती संगीता देवी की कहानी इसी संकल्प को साकार करती है। कभी परिवार की जरूरतों और कृषि कार्य के लिए छोटे-छोटे ऋण पर निर्भर रहने वाली संगीता आज स्वयं ई-रिक्शा चलाकर प्रतिमाह लगभग 15 से 18 हजार रुपये की शुद्ध आय अर्जित कर रही हैं और 'लखपति दीदी' बनने की दिशा में आगे बढ़ चुकी हैं। ग्राम पंचायत छेरडाढ़ की दीपक स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती संगीता देवी वर्ष 2018 में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़ीं। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें बचत, ऋण सुविधा और विभिन्न आजीविका गतिविधियों की जानकारी मिली। उन्होंने छोटे-छोटे ऋण लेकर कृषि कार्य और परिवार की आवश्यकताओं को पूरा किया। समय के साथ उनमें स्वयं की स्थायी आय का साधन विकसित करने की इच्छा मजबूत हुई। इसी सोच के साथ उन्होंने दुलदुला के संकुल संगठन के समक्ष ई-रिक्शा के माध्यम से आजीविका शुरू करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने दुलदुला से पतराटोली मार्ग पर सवारी मिलने की संभावनाओं का भी आकलन किया। उनकी पहल, इच्छाशक्ति और आजीविका के प्रति स्पष्ट सोच को देखते हुए मुख्यमंत्री जशपुर एक्सप्रेस योजना के तहत वर्ष 2025 में उन्हें बैटरी चालित ई-रिक्शा उपलब्ध कराया गया।

संपादकीय

होर्मुज संकट का दूसरा खतरा- समुद्र की पारिस्थितिकी पर मंडराया बड़ा संकट

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध समाप्त करने को लेकर अंतरिम समझौता होने के बावजूद शांति वार्ता आगे नहीं बढ़ पा रही है। एक बार संघर्ष विराम पर सहमति बनने के बाद भी दोनों देशों की ओर से वार-पलटवार का सिलसिला जारी है।पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर अब केवल तेल, गैस और अन्य वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित होने तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इससे समुद्र की पारिस्थितिकी पर भी खतरा मंडराने लगा है। होर्मुज जलमार्ग की नाकेबंदी से दुनिया पर आर्थिक असर को लेकर तो आकलन लगातार किया जा रहा है, लेकिन इस क्षेत्र में लंबे समय तक जहाजों की आवाजाही बंद रहने से पैदा होने वाले संभावित पारिस्थितिकी नुकसान पर अब तक कम ही ध्यान दिया गया है।हाल में किए गए एक अध्ययन के मुताबिक, बीती फरवरी से फारस की खाड़ी में खड़े डेढ़ हजार से अधिक वाणिज्यिक जहाज गंभीर पर्यावरणीय खतरा पैदा कर सकते हैं। इन जहाजों के स्थिर रहने से इनके बाहरी हिस्सों पर समुद्री जीवों और वनस्पतियों की परत जमा हो सकती है। जब ये जहाज अलग-अलग बंदरगाहों की ओर रवाना होंगे, तो इनके साथ समुद्री जीव नए क्षेत्रों में पहुंच सकते हैं, जिससे जैव-सुरक्षा के लिहाज से नया खतरा पैदा होने की आशंका है। यह अफसोसनाक है कि इस दोहरे खतरे से बेफिक्र होकर अमेरिका और ईरान अपनी-अपनी जिद पर अड़े हैं।गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध समाप्त करने को लेकर अंतरिम समझौता होने के बावजूद शांति वार्ता आगे नहीं बढ़ पा रही है। एक बार संघर्ष विराम पर सहमति बनने के बाद भी दोनों देशों की ओर से वार-पलटवार का सिलसिला जारी है। इसी का नतीजा है कि ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को फिर से बंद कर दिया है और इसके जवाब में अमेरिका ने दोबारा पूरे क्षेत्र की नाकेबंदी कर दी है।ईरान ने बीते सोमवार को दो टूक कहा कि जब तक अमेरिका उनकी शर्तों को स्वीकार नहीं करेगा, तब तक वह होर्मुज जलमार्ग को फिर से नहीं खोलेगा। दरअसल, ईरान चाहता है कि अमेरिका नाकेबंदी हटाए, युद्ध से हुए नुकसान के लिए मुआवजा दे, आर्थिक प्रतिबंध खत्म करे और उसकी जब्त संपत्तियों को मुक्त करे। ईरान की इन शर्तों को लेकर अमेरिका कितना गंभीर है, इसका अंदाजा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान से लगाया जा सकता है, जिसमें उन्होंने कहा कि तेहरान के वार्ताकारों ने अब तक ऐसी कोई मांग नहीं उठाई है।इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि दोनों देशों के बीच तनाव और संघर्ष का सबसे ज्यादा असर भारत समेत उन देशों को झेलना पड़ रहा है, जिनका सीधे तौर पर इससे कोई संबंध नहीं है। हालांकि पश्चिम एशिया में फिर से शांति कायम करने की जिम्मेदारी दोनों देशों की है, लेकिन युद्ध की शुरुआत चूंकि अमेरिका और इजराइल ने मिलकर की थी, इसलिए समाधान के रास्ते तलाशने का दायित्व भी उन पर ज्यादा है।

अंतरराष्ट्रीय यूथ डे 2026

युवा शक्ति को मिले दिशा, सपनों को मिले उड़ान

(ललित गर्ग)

दुनिया की सरकारों को यह समझना होगा कि युवा केवल चुनाव के समय याद आने वाला मतदाता नहीं है। वह राष्ट्र की नीति-निर्माण प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार है। जिस युवा के जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णय लिये जाते हैं, उसकी आवाज उन निर्णयों में कितनी शामिल है, यह लोकतंत्र की गुणवत्ता का भी महत्वपूर्ण पैमाना है।

युवा केवल उम्र की एक अवस्था नहीं, बल्कि ऊर्जा, साहस, कल्पना, परिवर्तन और नवसृजन की चेतना का नाम है। जिस समाज की युवा शक्ति जाग्रत, संवेदनशील और रचनात्मक होती है, वह समाज परिवर्तन की नई इबारत लिखता है। इसके विपरीत जब युवा ऊर्जा दिशाहीन हो जाती है तो वही शक्ति हिंसा, नशे, उग्रवाद, अपराध, निराशा और विध्वंस का कारण बन सकती है। इसलिए आज दुनिया के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि युवा क्या कर रहे हैं, बल्कि यह है कि उनकी विराट ऊर्जा को किस दिशा में लगाया जा रहा है। इसी चिंतन को वैश्विक स्तर पर महत्व देने के लिए संयुक्त राष्ट्र प्रतिवर्ष 12 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाता है। वर्ष 2000 से इस दिवस का आयोजन शुरू हुआ। इस वर्ष का विषय है-'विभिन्न परिस्थितियाँ, साझा आकांक्षाएँ।' यह विषय आज की युवा पीढ़ी की वास्तविकता को बहुत गहराई से अभिव्यक्त करता है। दुनिया के युवाओं की परिस्थितियाँ भिन्न हैं। कहीं गरीबी और बेरोजगारी है, कहीं युद्ध और असुरक्षा, कहीं शिक्षा के अवसरों की कमी है, कहीं तकनीकी असमानता और पर्यावरण संकट है, लेकिन इन सबके बीच उनकी आकांक्षाएँ आश्चर्यजनक रूप से समान हैं। वे सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सार्थक रोजगार, सुरक्षा, मानसिक सुख-शांति, निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी और बेहतर भविष्य चाहते हैं।

दुनिया की सरकारों को यह समझना होगा कि युवा केवल चुनाव के समय याद आने वाला मतदाता नहीं है। वह राष्ट्र की नीति-निर्माण प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार है। जिस युवा के जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णय लिये जाते हैं, उसकी आवाज उन निर्णयों में कितनी शामिल है, यह लोकतंत्र की गुणवत्ता का भी महत्वपूर्ण पैमाना है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव 2250 युवाओं को शांति निर्माण और हिंसा की रोकथाम में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में स्वीकार करता है। यह स्वीकारोक्ति इस बात का प्रमाण है कि युवा समस्या नहीं, बल्कि समाधान की शक्ति हैं। आज आवश्यकता है कि हर देश में ऐसी प्रभावी व्यवस्था बने, जिसमें विद्यार्थी, उद्यमी, किसान, वैज्ञानिक, कलाकार, खिलाड़ी और सामाजिक कार्यकर्ता युवा सीधे नीति-निर्माताओं से संवाद कर सकें। केवल युवाओं पर योजनाएँ बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि युवाओं के साथ योजनाएँ बनाना आवश्यक है। भारत की सबसे बड़ी शक्तियों में उसकी युवा आबादी भी है। भारत के युवाओं ने अनेक बार सिद्ध किया है कि उनमें केवल नौकरी पाने की आकांक्षा नहीं, बल्कि कुछ नया करने की बेचैनी भी है। विज्ञान, खेल, तकनीक, उद्यमिता, कला, साहित्य और सामाजिक सेवा से लेकर अनेक क्षेत्रों में भारतीय युवा अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। स्वामी विवेकानन्द ने भारत के पुनर्निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण माना था। उनका विश्वास था कि जाग्रत, चरित्रवान और संकल्पवान युवा राष्ट्र की दिशा बदल सकता है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने भी युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके चिंतन का मूल संदेश था कि बड़े सपने देखो, ज्ञान अर्जित करो और उन सपनों को कर्म में बदलो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भी भारत के विकास विमर्श में युवा शक्ति, नवाचार, कौशल, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता को विशेष महत्व दिया जा रहा है। लेकिन अब अगला चरण इससे आगे जाने का है। युवा को योजनाओं का लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास का सह-निर्माता बनाना होगा।

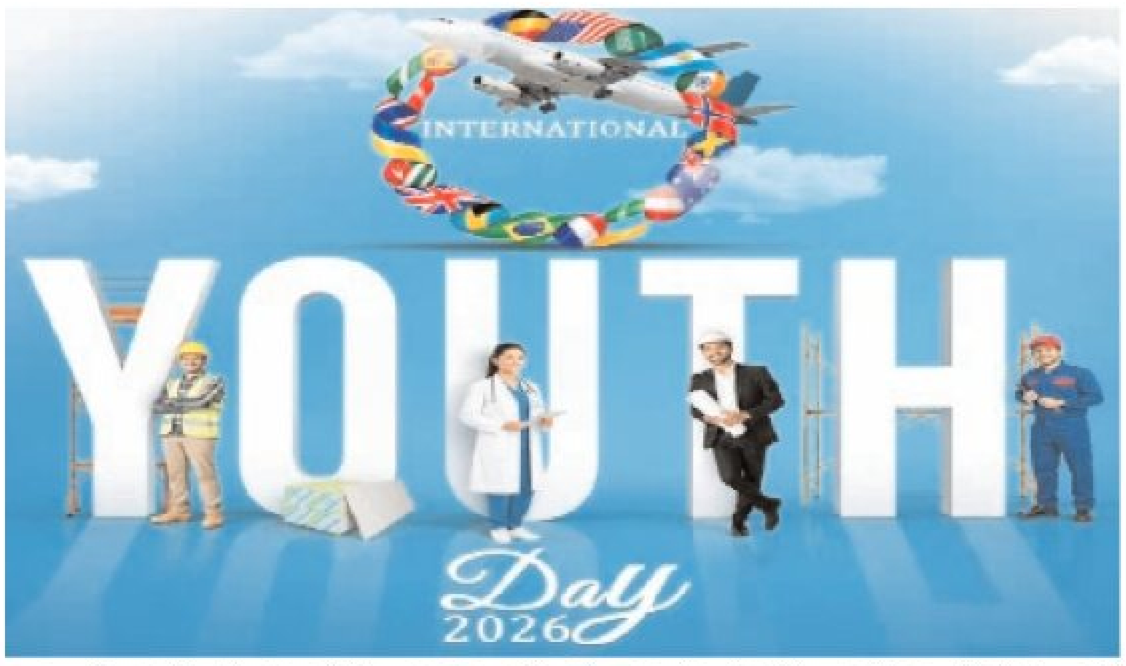

युवा दिवस की सार्थकता तब होगी जब 12 अगस्त के बाद भी युवा के जीवन में कोई सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे। क्यों न इस वर्ष प्रत्येक शहर में युवा स्वप्न संवाद आयोजित हों, जिसमें युवा लिखें कि वे अपने देश को अगले दस वर्षों में कैसा देखना चाहते हैं। उन सपनों को केवल कागज पर न रखा जाए, बल्कि सरकार, उद्योग, शिक्षण संस्थान और सामाजिक संस्थाएँ मिलकर उनमें से व्यवहारिक योजनाओं को धरातल पर उतारें। प्रत्येक युवा कोई एक उपयोगी कौशल सीखे और समाज के लिए कोई एक जिम्मेदारी स्वीकार करे। प्रत्येक जिले में ऐसे युवा नवाचार केंद्र स्थापित हों, जहाँ स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए युवा अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का उपयोग कर सकें। आज युवा शक्ति के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में नशा, डिजिटल लत, हिंसक प्रवृत्तियाँ, मानसिक तनाव, बेरोजगारी और उद्देश्यहीनता हैं। नशे का फैलता जाल केवल व्यक्ति को नहीं, परिवार और राष्ट्र की उत्पादक शक्ति को भी कमजोर करता है। युवाओं को केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि नशा मत करो, बल्कि उन्हें जीवन का ऐसा उद्देश्य देना होगा कि नशे की आवश्यकता ही महसूस न हो। खेल, योग, ध्यान, कला, साहित्य, सेवा, उद्यमिता और सामाजिक गतिविधियों से युवाओं को जोड़ना होगा। खाली समय को रचनात्मक समय में बदलना नशामुक्ति की सबसे प्रभावी सामाजिक रणनीति हो सकती है।

आज की युवा पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद की कमी भी एक चुनौती है। बुजुर्ग अनुभव के प्रतीक हैं और युवा ऊर्जा के। अनुभव यदि ऊर्जा से नहीं जुड़ेगा तो वह जड़ हो सकता है और ऊर्जा यदि अनुभव से नहीं जुड़ेगी तो दिशाहीन हो सकती है। इसलिए आवश्यकता है अंतरपीढ़ी संवाद की। परिवारों, संस्थाओं और सरकारों को ऐसा वातावरण बनाना होगा जिसमें युवा नई सोच प्रस्तुत करें और वरिष्ठ पीढ़ी अपने अनुभव से उनका मार्गदर्शन करें। अनुभव और ऊर्जा का यह समन्वय राष्ट्र निर्माण की बड़ी शक्ति बन सकता है। आज दुनिया के अनेक हिस्सों में युवा आंदोलन हो रहे हैं। युवाओं की आवाज सत्ता और व्यवस्था तक पहुँच रही है। भारत में भी समय-समय पर युवाओं ने अपनी आकांक्षाओं और असंतोष को आंदोलन का रूप दिया है। लेकिन युवा आंदोलन की सबसे बड़ी सफलता तब होगी जब वह केवल विरोध की आवाज न रहकर विकल्प की आवाज बने। युवा कहे कि हमें केवल शिकायत नहीं करनी, समाधान भी देना है। हमें केवल रोजगार नहीं चाहिए, रोजगार सृजित करने की क्षमता भी चाहिए। हमें केवल अधिकार नहीं चाहिए, हम जिम्मेदारियाँ भी निभाएँगे। हम केवल सत्ता बदलने नहीं, व्यवस्था को बेहतर बनाने आए हैं। यही युवा आंदोलन की नई परिभाषा हो सकती है। यौवन अपने आप में उपलब्धि नहीं है। युवकत्व चेतना की अवस्था है। चेहरे पर जवानी हो और विचारों में जड़ता हो तो यौवन अधूरा है। ऊर्जा हो लेकिन दिशा न हो तो वही ऊर्जा संकट बन सकती है। इसलिए आज की युवा पीढ़ी को दो चीजों की सबसे अधिक आवश्यकता है-जोश और होश। जोश उसे ऊँचा उड़ाए और होश उसे सही दिशा दे। जोश उसे सपने दिखाए और विवेक उन सपनों को यथार्थ में बदले। जोश उसे संघर्ष करना सिखाए और करुणा उसे मनुष्य से जोड़े। स्वामी विवेकानन्द की प्रेरणा, सुकरात की प्रश्नाकुलता, महात्मा गांधी की करुणा और डॉ. कलाम के सपनों का समन्वय आज के युवा के व्यक्तित्व में होना चाहिए। दुनिया के युवाओं से यह कहना आसान है कि बड़े सपने देखो, लेकिन केवल सपने देखने के लिए कहना पर्याप्त नहीं है। सपनों को आकार देने के लिए अवसरों की संरचना भी करनी होगी। अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 का विषय हमें एक महत्वपूर्ण सत्य बताता है कि हमारी परिस्थितियाँ अलग हो सकती हैं, लेकिन हमारी आकांक्षाएँ साझा हैं। भारत का युवा अवसर चाहता है, अफ्रीका का युवा शिक्षा और रोजगार चाहता है, युद्धग्रस्त क्षेत्र का युवा शांति चाहता है, द्वीपीय देशों का युवा सुरक्षित पर्यावरण चाहता है और तकनीकी दुनिया का युवा समान अवसर चाहता है। अर्थात दुनिया के युवा अलग-अलग भाषाएँ बोलते हैं, अलग संस्कृतियों में रहते हैं, लेकिन उनके सपनों की भाषा बहुत कुछ समान है। इसलिए आज दुनिया को युवा शक्ति को नियंत्रित करने से अधिक उस पर विश्वास करने की जरूरत है। आइए इस अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर हम केवल युवाओं को बधाई न दें, बल्कि उन्हें अवसर दें-अपनी बात कहने का, अपनी प्रतिभा दिखाने का, निर्णय लेने का और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का। सरकारें युवाओं की सुनें, परिवार उनके सपनों को समझें, शिक्षण संस्थान उनकी प्रतिभा को पहचानें, समाज उनके प्रयोगों को अवसर दे और युवा स्वयं अपने भीतर के सामर्थ्य को पहचानें। क्योंकि राष्ट्र का भविष्य केवल संसदों, सरकारी कार्यालयों या योजनाओं की फाइलों में नहीं लिखा जाता, वह युवाओं की आँखों में पल रहे सपनों में लिखा जाता है। (लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

नेपाल ने खो दिये सुगौली के ओरिजनल डाक्युमेंट ! अब भारत के साथ कैसे सुलझायेगा सीमा विवाद?

(नीरज कुमार दुबे)

यह खुलासा ऐसे समय हुआ है जब भारत और नेपाल के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को लेकर विवाद फिर सुर्खियों में है। दरअसल, भारत और चीन के बीच लिपुलेख व्यापार मार्ग को फिर खोलने पर सहमति के बाद नेपाल ने इन क्षेत्रों पर अपना दावा दोहराया है। लो कर लो बात ! सीमा विवाद को लेकर भारत पर लगातार सवाल उठाने वाला नेपाल खुद उस ऐतिहासिक दस्तावेज की मूल प्रति नहीं ढूंढ़ पा रहा है, जिसके आधार पर उसकी सीमाओं की बुनियाद तैयार हुई थी। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने संसद में स्वीकार किया है कि सरकार को यह तक स्पष्ट जानकारी नहीं है कि 1816 की सुगौली संधि की आधिकारिक मूल प्रति उसके पास मौजूद है या नहीं। राष्ट्रीय अभिलेखागार में कुछ संबंधित दस्तावेज होने की जानकारी जरूर है, लेकिन वे वास्तविक आधिकारिक संधियां हैं या उनकी प्रतियां, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। यह खुलासा ऐसे समय हुआ है जब भारत और नेपाल के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को लेकर विवाद फिर सुर्खियों में है। दरअसल, भारत और चीन के बीच लिपुलेख व्यापार मार्ग को फिर खोलने पर सहमति के बाद नेपाल ने इन क्षेत्रों पर अपना दावा दोहराया है। लेकिन अब सवाल यह है कि जिस ऐतिहासिक संधि को सीमा निर्धारण की बुनियादी कड़ी माना जाता है, उसकी मूल प्रति ही नेपाल के रिकॉर्ड में स्पष्ट रूप से उपलब्ध नहीं है, तो उसके सीमा संबंधी दावों की ऐतिहासिक और दस्तावेजी मजबूती को किस आधार पर परखा जाए?

क्या है सुगौली संधि? – सुगौली संधि नेपाल और ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच हुई वह ऐतिहासिक संधि थी, जिसने 1814-16 के एंग्लो-नेपाल युद्ध का अंत किया और नेपाल की क्षेत्रीय सीमाओं तथा ब्रिटिश भारत के साथ उसके संबंधों को बड़े पैमाने पर निर्धारित किया। यह संधि 2 दिसंबर 1815 को हुई और 4 मार्च 1816 को इसकी औपचारिक पुष्टि हुई। युद्ध में पराजय के बाद नेपाल को बड़े भूभाग से अपने दावे छोड़ने पड़े और उसकी पश्चिमी सीमा के निर्धारण में महाकाली नदी की महत्वपूर्ण भूमिका बनी। इसी संधि को आगे चलकर नेपाल और ब्रिटिश भारत के बीच सीमा-व्यवस्था की आधारभूत कड़ी माना गया। यही कारण है कि सुगौली संधि की मूल प्रति का गायब होना महज किसी पुराने कागज का गुम होना नहीं है। यह एक ऐसा दस्तावेज है, जिसका सीधा संबंध सीमा, संप्रभुता और ऐतिहासिक भूगोल से जुड़ा है। खासकर तब, जब नेपाल आज उसी ऐतिहासिक सीमा-व्यवस्था के आधार पर लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी पर अपना दावा करता है।

मामला सिर्फ सुगौली संधि तक सीमित नहीं – सबसे गंभीर पहलू यह है कि नेपाल में ऐतिहासिक संधियों के मूल दस्तावेजों की उपलब्धता को लेकर सवाल पहली बार नहीं उठे हैं। 2016 में भारत-नेपाल संबंधों की समीक्षा के लिए गठित प्रबुद्ध व्यक्तियों के समूह की चर्चाओं के दौरान 1950 की भारत-नेपाल शांति एवं मैत्री संधि की मूल प्रति खोजने की कोशिश की गई, लेकिन वह भी नहीं मिली। बाद में संसदीय जांच में सुगौली संधि और 1950 की संधि, दोनों की मूल प्रतियां नेपाल में नहीं मिलने की बात सामने आई। 2019 में तत्कालीन विदेश मंत्री प्रदीप ज्ञवाली ने भी कहा था कि मंत्रालय के पास दोनों संधियों की प्रतियां हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए फोरेंसिक जांच जरूरी है कि वे मूल दस्तावेज हैं या नहीं। नेपाल ने भारत और ब्रिटेन में उपलब्ध ऐतिहासिक दस्तावेजों और नक्शों को भी तलाशने की बात कही थी। यानी सवाल केवल यह नहीं कि दस्तावेज कहां हैं, बल्कि यह भी है कि नेपाल के पास मौजूद प्रतियां कितनी प्रामाणिक हैं।

सीमा दावे की कमजोर कड़ी – वैसे इससे यह निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि नेपाल का हर सीमा दावा स्वतः गलत हो जाता है। सीमा विवादों का निर्धारण केवल किसी एक मूल दस्तावेज से नहीं होता; ऐतिहासिक नक्शे, नदी की वास्तविक धारा, प्रशासनिक नियंत्रण, पुराने सरकारी रिकॉर्ड और अन्य अंतरराष्ट्रीय दस्तावेज भी महत्वपूर्ण होते हैं। लेकिन नेपाल के लिए समस्या यह है कि जिस ऐतिहासिक संधि को वह अपनी सीमा-व्यवस्था के संदर्भ में महत्वपूर्ण मानता है, उसकी मूल प्रति के अस्तित्व पर ही उसकी सरकार स्पष्ट नहीं है। यही तथ्य उसके आक्रामक सीमा-रुख पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यदि नेपाल के पास मूल संधि उपलब्ध नहीं है और उसे अपनी प्रतियों की प्रामाणिकता तक फोरेंसिक तरीके से जांचनी पड़ रही है, तो सीमा विवाद पर निर्णायक और एकतरफा ऐतिहासिक दावे करना निश्चित रूप से कठिन हो जाता है। इस पूरे घटनाक्रम का सामरिक महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि लिपुलेख क्षेत्र भारत, नेपाल और चीन, तीनों के लिए संवेदनशील भौगोलिक क्षेत्र है।

असामाजिक हो रहे सोशल मीडिया का नियमन जरूरी

सोशल मीडिया मंचों ने अपना अलगोरिदम भी ऐसा विकसित किया है, जो अच्छी बातों, सामाजिक चिंतन और बेहतर कल की बातों को ज्यादा तवज्जो नहीं देखा। एक तरह से कहें तो वह इसकी अनदेखी ही करता है। लेकिन जैसे ही किसी को कोई गाली देता है, किसी के चरित्र का बेवजह ही हनन करता है, किसी का घटिया कार्टून बनाता है, सोशल मीडिया का अलगोरिदम उसे फैलाने में द्रुत गति से जुट जाता है। सोशल मीडिया ने अब तक पर्दे के पीछे रही नंगई को भी उजागर कर दिया है। आज रील्स के चक्कर में अधनंगे और कई बार करीब-करीब नग्न फोटोग्राफ और वीडियो तक जारी किए जा रहे हैं।

(उमेश चतुर्वेदी)

सोशल मीडिया को लोकतंत्र के बड़े मंच के रूप में 17 दिसंबर 2010 को ट्यूनिशिया के सिटी बौजिज शहर में फलों का ठेला लगाने वाले मोहम्मद बोआजीजी की आत्महत्या के बाद हुए उबाल के बाद देखा जाने लगा। म्यूनिसिपल कर्मचारियों की सख्ती के चलते क्षुब्ध बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली।

दिल्ली में बीस जुलाई को काकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा और 23 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी के जेन जी के संबोधन की वीडियो फेसबुक और इंस्टाग्राम से हटाए जाने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बहुत चर्चा में हैं। चर्चा से ज्यादा उनकी भूमिका कहीं ज्यादा विमर्श के केंद्र में है। इसमें दो राय नहीं कि दुनियाभर में जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ज्यादा प्रचलन में हैं, उनमें से ज्यादातर विदेशी हैं। जाहिर है कि वे उन जगहों के कानूनों और सांस्कृतिक परंपराओं से ज्यादा संचालित हैं, जहां उनके मुख्यालय हैं। इसलिए अपने व्यापक हितों के लिए वे अपने प्रचलन वाले देशों की परंपराओं और संस्कृतियों को सवालों के घेरे में लाने, उसका उपहास उड़ाने और उन्हें तार-तार करने वाला अलगोरिदम उन्होंने विकसित कर रखा है। जिसका खामियाजा तीसरी दुनिया के देश और वहां की सांस्कृतिक परंपराएं उठा रही हैं।

सोशल मीडिया को लोकतंत्र के बड़े मंच के रूप में 17 दिसंबर 2010 को ट्यूनिशिया के सिटी बौजिज शहर में फलों का ठेला लगाने वाले मोहम्मद बोआजीजी की आत्महत्या के बाद हुए उबाल के बाद देखा जाने लगा। म्यूनिसिपल कर्मचारियों की सख्ती के चलते क्षुब्ध बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। किसी ने इस घटना को सोशल मीडिया पर डाल दिया। सोशल मीडिया के तत्कालीन अलगोरिदम ने इस घटना को इस रूप में प्रस्तुत किया कि समूचे अरब जगत में उबाल आ गया। नागरिक अधिकारों की स्थापना और लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर अरब देशों की जनता सड़कों पर उतर आई। इसका ही नतीजा मिस्र की राजधानी काहिरा के तहरीर चौक पर दिखा। जहां महीनों तक लोग जमे रहे और वहां के राष्ट्रपति को इस्तीफा देना पड़ा। यह आग सीरिया, यमन और लीबिया तक जा पहुंची। वहां के पारंपरिक शासकों के खिलाफ लोगों का दबा हुआ गुस्सा निकला और कई जगह सत्ताएं बदल गईं। भारत में भी इसके ही कुछ महीनों बाद अन्ना हजारे को आगे रखकर एक आंदोलन छेड़ा गया। जिसकी परिणति आम आदमी पार्टी के रूप में हुई और वह दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुई। फिर पंजाब में भी उसने पैठ बना ली। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

इन घटनाओं को याद करना इसलिए जरूरी है कि इन सबके पीछे सोशल मीडिया के जरिए त्वरित गति से फैलाई गई सूचनाओं का हाथ सबसे ज्यादा रहा। तब सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए जरूरी बताया गया। सोशल मीडिया के बारे में कहा गया कि लोकतंत्र में सबकी आवाज पहुंचाने और उन्हें मौका देने का यह बड़ा माध्यम है। इसे लोकतंत्र के वाजिब और जरूरी औजार के रूप में भी मान्यता मिली। लेकिन बीतते वक्त के साथ पता चल रहा है कि जिसे हम सोशल मीडिया कहते हैं, वह लोकतंत्र के लिए जितना जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा अनसोशल यानी असामाजिक भी है। यह ठीक है कि सोशल मीडिया के जरिए व्यवस्था की अंधी सुरंग में खो रही आवाजों को मौका मिलता है। लेकिन यह उतना ही सच है कि इस माध्यम ने लोगों की नजर का पानी उतार दिया है। लोग अब लिहाज करना भूल गए हैं। सोशल मीडिया पर अगर किसी की बात पसंद नहीं आती तो उसे खुलेआम गालियां दी जा सकती हैं। उसके चरित्र पर आक्षेप लगाया जा सकता है। उसका चरित्र हनन किया जा सकता है। चाहे वह व्यक्ति सामाजिक जीवन में कितना ही प्रतिष्ठित क्यों न हो, उसकी उम्र चाहे जितनी भी बड़ी क्यों ना हो।

सोशल मीडिया मंचों ने अपना अलगोरिदम भी ऐसा विकसित किया है, जो अच्छी बातों, सामाजिक चिंतन और बेहतर कल की बातों को ज्यादा तवज्जो नहीं देखा। एक तरह से कहें तो वह इसकी अनदेखी ही करता है। लेकिन जैसे ही किसी को कोई गाली देता है, किसी के चरित्र का बेवजह ही हनन करता है, किसी का घटिया कार्टून बनाता है, सोशल मीडिया का अलगोरिदम उसे फैलाने में दुरुत गति से जुट जाता है। सोशल मीडिया ने अब तक पर्दे के पीछे रही नंगई को भी उजागर कर दिया है। आज रील्स के चक्कर में अधनंगे और कई बार करीब-करीब नग्न फोटोग्राफ और वीडियो तक जारी किए जा रहे हैं। भले ही अपने परिवारों में महिलाएँ और युवतियां सलीके से रहती हों, लेकिन सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने और उसके जरिए कुछ कमाने के चक्कर में अपने शील और अपनी लज्जा को भी बेपर्दा कर रही हैं। सोशल मीडिया कितना असमाजिक हो चुका है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसका अलगोरिदम अश्लीलता को बढ़ावा देता है, लेकिन शील और लज्जा की बात को अपने मंच के किसी कोने में डाल देता है। कह सकते हैं कि वर्चुअल स्पेस के किसी अंधेरे कोने में उसे गुम कर देता है।

तीन साल पहले प्यू रिसर्च सेंटर ने 19 विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों में सोशल मीडिया को लेकर एक शोध किया था। उसके मुताबिक, आम नागरिकों की नजर में सोशल मीडिया राजनीतिक जीवन के लिए रचनात्मक और विनाशकारी दोनों है। इस अध्ययन में शामिल देशों में, औसतन 57 प्रतिशत लोगों ने माना कि सोशल मीडिया लोकतंत्र के लिए अच्छा है, लेकिन इसे विनाशकारी मानने वालों की संख्या भी कम नहीं रही। करीब 35 प्रतिशत से ज्यादा लोगों का का कहना था कि सोशल मीडिया विनाशकारी साबित हो रहा है। सिर्फ 34 प्रतिशत अमेरिकियों ने ही सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए लाभकारी माना, जबकि 64 फीसद का कहना था कि इसने नकारात्मक प्रभाव ज्यादा डाला है। हाल ही में जेन जी से चर्चा के दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भी सोशल मीडिया को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। उसमें उन्होंने कहा है कि यदि सोशल मीडिया पर उनके कारण दस लाख लोग कोई गलत निर्णय लेते हैं, तो उसकी जिम्मेदारी मेरी भी है। सोशल मीडिया पर सकारात्मक, उपयोगी और समाजहित की सामग्री साझा करनी चाहिए। सोशल मीडिया पर केवल प्रामाणिक स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही विश्वास करना चाहिए। जेन-ज़ी में भी यह विवेक विकसित होना चाहिए कि क्या सही है और क्या नहीं। वरिष्ठ पीढ़ी की भी जिम्मेदारी है कि वह नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करे तथा उन्हें सही और गलत के बीच अंतर समझाए।

सोशल मीडिया का अनसोशल चेहरा और मंच आर्थिक कमाई का जरिया भी है। नंगई, हिंसा और व्यभिचार-अतिचार की कहानियां, दृश्य, वीडियो और फोटो को वायरल करने में उसका कोई सानी नहीं है। इस बहाने इसे प्रसारित करने वाले को सोशल मीडिया मंच आर्थिक कमाई भी कराते हैं। और तो और, वे खुद भी ऐसी घटनाओं, दृश्यों को प्रसारित-प्रचारित और वायरल करने के लिए बड़ी रकम लेते हैं। संसदीय समिति के सामने फेसबुक और इंस्टाग्राम की संचालक कंपनी मेटा के अधिकारियों ने माना है कि काकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान गाली, हिंसा आदि को बढ़ावा देने के लिए पैसे भी लिए थे। इन कोशिशों का मकसद भारत में व्यापक पैमाने पर लोगों को उत्तेजित करके अराजकता फैलाना था। इस लिहाज से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म राष्ट्रों के अंदरूनी मामलों में लोकतंत्र की रक्षा के मुखौटे के पीछे से दखल भी दे रहे हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती भी दे रहे हैं। वक्त आ गया है कि इनके नियमन के लिए कठोर कानून बनाए जाएं। जिसके तहत उन्हें अभिव्यक्ति के अधिकार को बढ़ावा देने की व्यवस्था तो हो, लेकिन इसकी आड़ में अराजकता फैलाने की छूट नहीं। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

दंतेवाड़ा में व्यावसायिक प्रशिक्षकों ने उठाई आवाज, 16 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

दंतेवाड़ा । जिले में कार्यरत व्यावसायिक प्रशिक्षकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार को कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के जल्द निराकरण की मांग की। प्रशिक्षकों ने 16 सूत्रीय मांगों को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए लंबित मानदेय का भुगतान, मानदेय में वृद्धि, सेवा सुरक्षा और नियमित नियुक्ति सहित कई मांगें रखीं। मई-जून का मानदेय लंबित होने से प्रशिक्षकों में नाराजगी। व्यावसायिक प्रशिक्षकों के संघ के अनुसार जिले में करीब 1,029 प्रशिक्षक कार्यरत हैं। प्रशिक्षकों का आरोप है कि मई और जून माह का मानदेय अब तक लंबित है। समय पर मानदेय का भुगतान नहीं होने से प्रशिक्षकों के सामने आर्थिक परेशानियां खड़ी हो रही हैं। संघ ने लंबित मानदेय का तत्काल भुगतान करने की मांग की है।

तृतीय पक्ष कंपनी व्यवस्था समाप्त करने की मांग-ज्ञापन में प्रशिक्षकों ने तृतीय पक्ष कंपनी के माध्यम से संचालित व्यवस्था को समाप्त कर उन्हें विभागीय व्यवस्था में शामिल करने की मांग प्रमुखता से उठाई। प्रशिक्षकों का कहना है कि लंबे समय से सेवाएं देने के बावजूद उन्हें स्थायी सेवा सुरक्षा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में विभागीय स्तर पर नियुक्ति और सेवा सुरक्षा दिए जाने की मांग की गई है।

मानदेय बढ़ाने और नियमित नियुक्ति की मांग-व्यावसायिक प्रशिक्षकों ने वर्तमान मानदेय को बढ़ाने की मांग भी रखी। उनका कहना है कि जिम्मेदारियों और कार्यभार के अनुरूप मानदेय में वृद्धि आवश्यक है। इसके साथ ही प्रशिक्षकों ने नियमित नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करने और भविष्य को लेकर स्पष्ट सेवा नीति बनाए जाने की मांग की।16 सूत्रीय मांगों पर जल्द निर्णय की अपील-संघ पदाधिकारियों ने कहा कि व्यावसायिक प्रशिक्षक विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं व्यावसायिक शिक्षा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें कई स्तरों पर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। प्रशिक्षकों ने सरकार एवं शिक्षा विभाग से 16 सूत्रीय मांगों पर सकारात्मक पहल करते हुए जल्द निर्णय लेने की अपील की।ज्ञापन जिला अध्यक्ष नोमेश कुमार साहू के नेतृत्व में सौंपा गया। इस दौरान संघ के पदाधिकारी सहित जिलेभर के बड़ी संख्या में व्यावसायिक प्रशिक्षक मौजूद रहे। प्रशिक्षकों ने उम्मीद जताई कि उनकी मांगों पर शासन और विभाग गंभीरता से विचार कर जल्द समाधान की दिशा में कदम उठाएगा।

जिले में आज से शिशु संरक्षण माह की शुरुआत, 24 सितंबर तक चलाया जाएगा अभियान

दंतेवाड़ा। जिला कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अजय रामटेक के मार्गदर्शन में जिले में आज से शिशु संरक्षण माह की शुरुआत की गई। यह अभियान जिले में 24 सितंबर तक चलाया जाएगा इस दौरान जिले के समस्त आंगनबाड़ी केन्द्र में 9 माह से 5 साल के बच्चों को विटामिन ए की खुराक दी जाएगी। इस प्रकार जिले में कल 27955 बच्चों को विटामिन ए की दवा देने का लक्ष्य रखा गया है इसी तरह अभियान के दौरान आयरन फोलिक एसिड सिरप 6 माह से 5 साल के बच्चों को दी जाएगी। अभियान के दौरान प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को आंगनबाड़ी केंद्र में टीकाकरण के दौरान उपरोक्त गतिविधि की शुरुआत होगी। अभियान में बच्चों के रोग प्रतिरोधक क्षमता, खून की कमी,शारीरिक और मानसिक विकास में मदद, बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करना तथा स्वस्थ बचपन उज्जवल भविष्य पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस क्रम में आज विकासखंड गीदम एवं दंतेवाड़ा के साथ-साथ जिले के समस्त विकास खंड में उक्त अभियान का विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

चेन्नई पीआईबी टीम को माओवाद मुक्त बस्तर में विकास और नवाचार की दी जानकारी

जगदलपुर। पुलिस कोऑर्डिनेशन सेंटर, जगदलपुर में चेन्नई पीआईबी की मीडिया टीम को बस्तर संभाग में माओवाद मुक्त वातावरण के साथ हो रहे विकास कार्यों और नवोन्मेषी प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर कमिश्नर बस्तर संभाग डोमन सिंह, आईजी बीएन मीणा, कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा एवं सीईओ जिला पंचायत तन्मय खन्ना उपस्थित रहे। अधिकारियों ने पावर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से बस्तर संभाग में सुरक्षा के साथ विकास को गति देने के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों की जानकारी साझा की। प्रस्तुति में माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों, शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, शिक्षा, अधोसंरचना, रोजगार एवं पुनर्वास सहित क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों और सकारात्मक बदलावों को रेखांकित किया गया। चेन्नई की मीडिया टीम ने बस्तर प्रवास के दौरान प्रसिद्ध पर्यटन स्थल चित्रकोट जलप्रपात का भ्रमण किया और बस्तर की प्राकृतिक एवं पर्यटन संपदा से परिचित हुई। इसके बाद टीम ने पण्डूम कैफे पहुंचकर पुनर्वासित लोगों से संवाद किया। इस दौरान पुनर्वास के बाद उनके जीवन में आए बदलावों, स्वरोजगार और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के अनुभवों पर चर्चा की गई। मीडिया टीम ने एकलव्य विद्यालय का भी भ्रमण किया और विद्यार्थियों से संवाद किया। विद्यार्थियों से बस्तर में शिक्षा के बदलते स्वरूप, उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं और उनके भविष्य के लक्ष्यों के संबंध में चर्चा की गई। इस दौरान टीम ने बस्तर में शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों और युवाओं के लिए उपलब्ध अवसरों की जानकारी भी प्राप्त की। चेन्नई पीआईबी के निदेशक पी. अरुण कुमार के नेतृत्व में बस्तर संभाग के अध्ययन भ्रमण पर आयी मीडिया टीम ने बस्तर में सुरक्षा, विकास, शिक्षा, पुनर्वास और पर्यटन के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलावों को करीब से जाना और विभिन्न नवोन्मेषी प्रयासों की जानकारी प्राप्त की।

कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दंतेवाड़ा में 400 से अधिक छात्राओं ने जाने अंतरिक्ष के रहस्यय क्विज में छाया दत्ता बनीं विजेता

राष्ट्रीय अंतरिक्ष सप्ताह के तहत जिला विज्ञान केंद्र दंतेवाड़ा का आयोजन सजीव प्रयोगों और ''कबाड़ से जुगाड़'' मॉडल्स से खेल-खेल में सीखा विज्ञान

दंतेवाड़ा। राष्ट्रीय अंतरिक्ष सप्ताह (12 से 18 अगस्त) के उपलक्ष्य में जिला विज्ञान केंद्र, दंतेवाड़ा द्वारा चलाए जा रहे विशेष आउटरीच अभियान के तहत आज शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, में एक दिवसीय प्रेरणादायी विज्ञान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष सत्र में विद्यालय की 400 से अधिक छात्राओं ने पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ भाग लिया और व्यावहारिक विज्ञान की अद्भुत दुनिया का अनुभव किया।

मस्ती और कौतूहल के साथ सीखे विज्ञान के कठिन सिद्धांत- कार्यक्रम के दौरान जिला विज्ञान केंद्र के केंद्र प्रमुख उपेंद्र गौतम एवं साइंस कम्युनिकेटर्स दीकेश यादव व मंगलू पोडियाम की टीम ने ''कबाड़ से जुगाड़'' व ''लो-कॉस्ट साइंस किट्स'' के जरिए भौतिकी के जादुई प्रयोगों का सजीव प्रदर्शन किया। इसके अंतर्गत वायुमंडलीय दबाव, गति के नियम, प्रकाश, ध्वनि और गुरुत्व केंद्र जैसी जटिल अवधारणाओं को जब मनोरंजक खिलौनों के माध्यम से दिखाया गया, तो छात्राओं की तालियों और खिलखिलाहट से पूरा परिसर गूंज उठा। छात्राओं ने बेहद आनंद और बेफिक्र अंदाज में विज्ञान के मूल सिद्धांतों को समझा।

रोमांचक क्विज में बालिका छाया ने मारी बाजी, 23 अगस्त को होंगी सम्मानित -अंतरिक्ष विज्ञान, खगोलशास्त्र और सामान्य विज्ञान पर आधारित एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 400 से अधिक छात्राओं के बीच चले कड़े और रोमांचक मुकाबले में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए छाया ने प्रथम स्थान हासिल किया। विजेता छात्रा को आगामी 23 अगस्त (राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस) के अवसर पर जिला विज्ञान केंद्र, दंतेवाड़ा में आयोजित होने वाले भव्य समारोह में विशेष रूप से पुरस्कृत व सम्मानित किया जाएगा।

इस मौके पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती नेहा नाथ ने जिला प्रशासन दंतेवाड़ा एवं जिला विज्ञान केंद्र की इस संयुक्त पहल की मुक्तकंठ से सराहना करते कहा कि सुदूर अंचल की बालिकाओं के बीच सीधे पहुंचकर ऐसे सजीव प्रयोगों के जरिए विज्ञान को सहज बनाना एक अत्यंत सराहनीय कदम है। इससे छात्राओं के मन से विज्ञान विषय का डर पूरी तरह समाप्त होता है और उनमें तार्किक सोच व बड़े सपने देखने का आत्मविश्वास पैदा होता है।

टीईटी की अनिवार्यता पर शिक्षक संघ का विरोध, लंबित पदोन्नति तत्काल करने की मांग

भटगांव। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ ने पदोन्नति के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को अनिवार्य किए जाने का विरोध करते हुए वरिष्ठता के आधार पर वर्षों से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया को तत्काल पूरा करने की मांग की है। संघ के जिला अध्यक्ष राम कुमार साहू एवं जिला सचिव योगेंद्र पड़वार ने कहा कि प्राथमिक एवं मिडिल स्कूलों में कार्यरत शिक्षक लंबे समय से पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। वर्तमान भर्ती नियमों में पदोन्नति के लिए टीईटी को अनिवार्य किए जाने का प्रावधान नहीं होने के बावजूद विभागीय स्तर पर इसे बाध्यता बनाना शिक्षकों के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि शासन ने शिक्षकों को वर्ष 2028 तक टीईटी उत्तीर्ण करने का अवसर दिया है। ऐसे में लंबित पदोन्नति में अभी से टीईटी को अनिवार्य शर्त बनाकर वरिष्ठ शिक्षकों को पदोन्नति से वंचित करना अन्यायपूर्ण होगा। संघ ने मांग की कि वर्तमान वरिष्ठता सूची के आधार पर पात्र शिक्षकों की पदोन्नति तत्काल की जाए और पदोन्नत शिक्षकों को वर्ष 2028 तक टीईटी उत्तीर्ण करने का अवसर दिया जाए। संघ ने लोक शिक्षण संचालनालय से विभागीय टीईटी का तत्काल आयोजन कराने की भी मांग की, ताकि इच्छुक शिक्षकों को परीक्षा उत्तीर्ण करने का पर्याप्त अवसर मिल सके और पदोन्नति प्रक्रिया प्रभावित न हो। प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह, मनोज राय सहित प्रदेश एवं जिला पदाधिकारियों ने मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति शिक्षकों का जायज अधिकार है।

प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर निकली भव्य तिरंगा यात्रा, भारत माता की जय के नारों से गूंजा सरसींवा

भटगांव। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बिलाईगढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सरसीवा मंडल में देशभक्ति का अभूतपूर्व नजारा देखने को मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर भारतीय जनता पार्टी सरसीवा मंडल द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। वहीं भारत माता की जय, वंदे मातरम और हर घर तिरंगा के जयघोषों से पूरा नगर गूंज उठा। हाथों में तिरंगा लिए हजारों कार्यकर्ताओं और नागरिकों की पैदल यात्रा ने पूरे सरसीवा को भगवा और केसरिया रंग में रंग दिया। वही यह तिरंगा यात्रा का शुभारंभ नगर पंचायत कार्यालय परिसर से हुआ। जो यात्रा का मार्ग नगर पंचायत कार्यालय, बस स्टैंड, महामाया मंदिर, मुख्य बस्ती, पथिक आश्रम, होते हुए झुमका चौक तक रहा। लगभग 3 किलोमीटर लंबी इस यात्रा में स्कूली बच्चे, युवा, महिलाएं और वरिष्ठ नागरिक शामिल हुए। जहां यात्रा में आगे-आगे बाइक रैली और बैंड-बाजे चल रहे थे। उसके पीछे कार्यकर्ता 50 फीट लंबा तिरंगा लेकर चल रहे थे। हर हाथ में तिरंगा और माथे पर मैं भी तिरंगा की पट्टी बंधी थी। तिरंगा यात्रा का नेतृत्व पूर्व जिला अध्यक्ष सुभाष जालान और जिला पंचायत सदस्य एवं छाया विधायक दिनेश लाल जांगड़े ने किया। उनके साथ मंच पर मंडल प्रभारी मनोज जायसवाल, मंडल अध्यक्ष श्याम साहू, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सुमेश बंजारे, उपाध्यक्ष नारायण साहू सहित पार्टी के पदाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा झाड़ू साहू, चंचला महिलाने, अलक राम साहू, भाजप मंडल महामंत्री ललिता निराला, जिला पंचायत सदस्य शिव कुमारी साहू, रमशिला साहू, मंडल उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम बंजारे, अजा मोर्चा मंडल मंत्री धीरज जांगड़े, किनकर कुर्रे, सोमू केशरवानी, अजा मोर्चा मंडल अध्यक्ष कन्हैया टंडन, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष देवेश साहू, मयंक अग्रवाल सहित मंडल के समस्त ज्येष्ठ-श्रेष्ठ कार्यकर्ता एवं राष्ट्रभक्त नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यात्रा के शुभारंभ पर पूर्व जिला अध्यक्ष सुभाष जालान ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर घर तिरंगा का जो आह्वान किया है, वह देश को एक सूत्र में बांधने का काम कर रहा है। सरसीवा की सड़कों पर जो जनसैलाब उमड़ा है वह इस बात का प्रमाण है कि यहां का हर नागरिक राष्ट्रभक्त है। उन्होंने कहा कि तिरंगा सिर्फ तीन रंगों का कपड़ा नहीं है। यह हमारे शहीदों के बलिदान, हमारे संविधान और हमारी एकता का प्रतीक है। हमें इसे हमेशा ऊंचा रखना है। जालान ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे घर-घर जाकर तिरंगा लगवाएं और देशभक्ति की भावना को और मजबूत करें। वहीं जिला पंचायत सदस्य एवं छाया विधायक दिनेश लाल जांगड़े ने कहा आजादी के 80 साल बाद भारत दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति बनने की ओर अग्रसर है। यह सब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और 140 करोड़ देशवासियों के परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने कहा बिलाईगढ़ विधानसभा क्षेत्र विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हुए हैं। तिरंगा यात्रा हमें यह संकल्प दिलाती है कि हम क्षेत्र के विकास के लिए और मेहनत करेंगे। जहां दिनेश लाल जांगड़े ने युवाओं से कहा आप लोग देश का भविष्य हैं। नशे से दूर रहें, शिक्षा लें और देश सेवा के लिए तैयार रहें वहीं तिरंगा यात्रा जैसे ही नगर के मुख्य मार्गों से गुजरी, पूरे सरसीवा में उत्सव का माहौल बन गया। इस तिरंगा यात्रा में महिला मोर्चा की भूमिका सबसे अग्रणी रही।

जिले के स्कूल-कॉलेजों में चला साइबर जागृति अभियान, करीब 1000 विद्यार्थियों को बताए ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव के तरीके

साइबर ठगी से बचने विद्यार्थियों को किया जागरूक

दंतेवाड़ा। साइबर अपराध के बढ़ते मामलों के बीच लोगों को डिजिटल रूप से जागरूक और सुरक्षित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा 15 अगस्त से 2 अक्टूबर 2026 तक साइबर जागृति अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत दंतेवाड़ा जिले में भी स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को साइबर अपराध के विभिन्न तरीकों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी जा रही है। पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन सिंह (भापुसे.) एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेंद्र खूंटे (रा.पु.से.) के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने एजुकेशन सिटी जावांगा, प्रकाश स्कूल बचेली एवं केंद्रीय विद्यालय किरंदुल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इन कार्यक्रमों में करीब 1000 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

OTP से लेकर डिजिटल अरेस्ट तक समझाए ठगी के तरीके जागरूकता कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को साइबर अपराध के विभिन्न स्वरूपों की जानकारी दी गई। इनमें हूअकाकछू फ्रॉड, फिशिंग, चह्रुष्ट अपडेट के नाम पर ठगी, फर्जी कस्टमर केयर, डिजिटल अरेस्ट, सोशल मीडिया फ्रॉड, ऑनलाइन जॉब एवं इन्वेस्टमेंट फ्रॉड, सेक्सटॉर्शन, स्हूरूस्वैपिंग तथा फर्जी वेबसाइट और लिंक के माध्यम से होने वाली ठगी प्रमुख रही। पुलिस ने विद्यार्थियों को बताया कि साइबर अपराधी अलग-अलग तरीकों से लोगों को विश्वास में लेकर उनकी व्यक्तिगत, बैंकिंग एवं गोपनीय जानकारी हासिल करते हैं। इसके बाद इसी जानकारी का इस्तेमाल कर बैंक खाते से राशि निकालने या अन्य प्रकार की ठगी को अंजाम दिया जाता है। OTP, PIN और CVV किसी से साझा न करें- कार्यक्रम में विद्यार्थियों को साइबर ठगी से बचने के लिए सतर्कता और सावधानी को सबसे प्रभावी सुरक्षा उपाय बताया गया। उन्हें समझाया गया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ OTP, PIN, CVV, पासवर्ड, बैंक खाते या PI से संबंधित जानकारी साझा नहीं करें। इसके साथ ही अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने और किसी भी संदिग्ध ‸क्र या एप्लिकेशन को डाउनलोड नहीं करने की सलाह दी गई। सोशल मीडिया अकाउंट में मजबूत पासवर्ड के साथ दो-स्तरीय सुरक्षा का उपयोग करने और किसी व्यक्ति के कहने पर पैसे ट्रांसफर करने से पहले उसकी पहचान और मांग की सत्यता की पुष्टि करने के लिए कहा गया।

'डिजिटल अरेस्ट' से रहें सावधान-पुलिस ने विद्यार्थियों को विशेष रूप से डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर फ्रॉड के प्रति जागरूक किया। बताया गया कि साइबर ठग पुलिस, सीबीआई, ईडी या अन्य सरकारी एजेंसियों का अधिकारी बनकर वीडियो कॉल या फोन पर डराते हैं और गिरफ्तारी का भय दिखाकर पैसे की मांग करते हैं। विद्यार्थियों को स्पष्ट रूप से बताया गया कि कोई भी सरकारी एजेंसी वीडियो कॉल या फोन पर गिरफ्तारी का डर दिखाकर पैसे जमा करने के लिए नहीं कहती। ऐसी स्थिति में घबराने के बजाय तत्काल परिजनों और पुलिस को सूचना देने की सलाह दी गई।

ठगी होते ही 1930 पर करें कॉल-पुलिस ने साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल शिकायत करने की अपील की। विद्यार्थियों को बताया गया कि साइबर ठगी का शिकार होने पर बिना देरी किए राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराएं। इसके अलावा National Cyber Crime Reporting Portal पर भी ऑनलाइन शिकायत की जा सकती है।विशेष रूप से वित्तीय साइबर ठगी के मामलों में जितनी जल्दी 1930 पर सूचना दी जाती है, ठगी की गई रकम को रोकने या होल्ड कराने की संभावना उतनी ही बढ़ जाती है। पीड़ित व्यक्ति नजदीकी पुलिस थाने में भी शिकायत दर्ज करा सकता है।

खुद जागरूक बनें, दूसरों को भी करें जागरूक- पुलिस ने विद्यार्थियों से अपील की कि साइबर अपराध की किसी भी घटना को छिपाने के बजाय तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दें। विद्यार्थी स्वयं साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों और आसपास के लोगों को भी ऑनलाइन ठगी से बचाव के प्रति जागरूक करें। पुलिस का उद्देश्य साइबर जागृति अभियान के माध्यम से जिले के अधिक से अधिक लोगों को डिजिटल अपराधों की जानकारी देकर सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

संक्षिप्त समाचार

आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती आवेदन 3 सितम्बर तक

बिलासपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना सीपत अंतर्गत सीपत के आंगनबाड़ी केंद्र सीपत 07 में सहायिका पद की नियुक्ति के लिए 20 अगस्त से 3 सितम्बर 2026 तक ऑनलाईन आवेदन मंगाये गये है। इच्छुक आवेदिका वेबसाईट https://aww.e-bharti.in/ में जाकर ऑनलाईन आवेदन कर सकती है।

ग्राम पंचायतों में निःशुल्क वितरित किए जाएंगे उन्नत नस्ल के 02 सांड

बिलासपुर। घुमन्तू पशुओं के स्थायी व्यवस्थापन हेतु जिले के नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे एवं एवं मुख्य मार्गों से नगर निगम बिलासपुर द्वारा आश्रय केंद्र मोपका में जप्त घुमन्तू निराश्रित पशुओं में से स्वस्थ उन्नत एवं संकर नस्ल के सांडों का ग्राम पंचायतों में देशी गायों में गर्भाधान के द्वारा नस्ल सुधार हेतु प्रति ग्राम पंचायत 2 सांड का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। इसके लिए ग्राम पंचायतों में सांड वितरण का दायित्व जिला पंचायत, जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायतों को सौंपा गया है। वहीं सांडों की जप्ती एवं काउकैचर से परिवहन की जिम्मेदारी नगर निगम एवं नगरीय निकायों की होगी। पशुपालन विभाग द्वारा उन्नत एवं संकर सांडों का चयन, स्वास्थ्य परीक्षण, ईयर टैगिंग, ग्रामवार आवेदन एवं वितरण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इस कार्य के लिए संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं बिलासपुर को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

रोजगार मेला 20 अगस्त को, 85 पदों पर होगी भर्ती

बिलासपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र कोनी में 20 अगस्त 2026 को सवेरे 11 बजे से शाम 4 बजे तक रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। मेले में 3 निजी नियोजकों द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती प्रक्रिया की जाएगी, जिसमें मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव, फीजियोथेरेपिस्ट, कस्टमर रिलेशनशीप ऑफिसर, फील्ड ऑफिसर, रिलेशनशीप मैनेजर, असिस्टेंट मैनेजर ट्रेनी जैसे कुल 85 पद शामिल हैं। रोजगार मेले में 10वीं, 12वीं एवं स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थी भाग ले सकेंगे। इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने साथ दो पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड तथा शैक्षणिक योग्यता से संबंधित अंकसूची एवं प्रमाण पत्रों की मूल प्रति एवं छायाप्रति लानी होगी। मेले में शामिल होने के लिए आवेदकों को ई रोजगार पोर्टल अथवा छत्तीसगढ़ रोजगार ऐप के माध्यम से पंजीयन कर एवं रोजगार पंजीयन प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य होगा। अधिक जानकारी जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र कोनी, बिलासपुर से प्राप्त की जा सकती है।

स्काउटिंग को स्कूलों तक पहुंचाने की तैयारी, 3000 नए स्काउट्स जोड़ने का लक्ष्य

बिलासपुर। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियों को जिले में और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाने के लिए संगठनात्मक विस्तार, प्रशिक्षण और विद्यालयों से समन्वय पर जोर दिया गया। बैठक में अधिक से अधिक विद्यालयों में स्काउट-गाइड इकाइयां शुरू करने और करीब 300 नए स्काउट्स को संगठन से जोड़ने का लक्ष्य तय किया गया। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त इंदरजीत सिंह खालसा मुख्य अतिथि रहे। अध्यक्षता जिला संघ बिलासपुर के जिला मुख्य आयुक्त राजेंद्र साहू ने की। विशिष्ट अतिथि संयुक्त सचिव श्रीमती बीना यादव रहीं। राज्य मुख्यालय आयुक्त (स्काउट) रविश गुप्ता, राज्य सहायक आयुक्त (स्काउट) राकेश सोंथालिया, विजय कुमार यादव एवं भूपेंद्र शर्मा भी मौजूद रहे। बैठक में स्काउटिंग को विद्यालय एवं समुदाय से जोड़ने, विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने और स्काउट मास्टर व गाइड कैप्टन के प्रशिक्षण को प्रभावी बनाने पर चर्चा हुई। प्रत्येक ब्लॉक में बैठकें आयोजित कर गतिविधियों की समीक्षा करने तथा प्राचार्यों, शिक्षा अधिकारियों और विद्यालय संचालकों से समन्वय बढ़ाने के निर्देश दिए गए। स्काउटिंग के माध्यम से बच्चों में अनुशासन, नेतृत्व, सेवा भावना और चरित्र निर्माण को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। बच्चों के प्रशिक्षण, ड्रेस एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के साथ नियमित रूप से विद्यार्थियों से संपर्क बनाए रखने की बात कही गई। जिले में संगठनात्मक गतिविधियों के लिए स्क्र्क्र ग्रुप बनाने, जिला एवं ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों को जोड़ने तथा मासिक बैठकों को नियमित करने पर भी सहमति बनी। साथ ही ड्रुष्ठ निर्माण एवं अद्यतन, विद्यालयों में संचालित इकाइयों की जानकारी और विकासखंड स्तर की गतिविधियों की समीक्षा करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में डॉ. अजय कौशिक, जिला शिक्षा अधिकारी बिलासपुर, डॉ. नवनीत कौशिक, जिला मुख्यालय आयुक्त (स्काउट), श्रीमती आरती राय, एपीसी समग्र शिक्षा एवं सहायक जिला आयुक्त (गाइड) विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी सहित स्काउट एवं गाइड के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कहा गया कि स्काउटिंग केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है।

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने ली टीएल बैठक, फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा

जैविक खेती और एआई प्रशिक्षण को बढ़ावा देने पर जोर

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज जिला कार्यालय में समय-सीमा (टीएल) बैठक लेकर राज्य शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं और विभिन्न विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ दिलाने के निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश कुमार सर्वे सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने रासायनिक खाद के उपयोग से हटकर जैविक खेती को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कोटा विकासखंड में कुछ गांवों का चयन कर उन्हें जैविक खेती के मॉडल के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। उमरिया, बेहरामुड़ा और लूफा गांव पहले से चयनित हैं, जबकि मस्तूरी विकासखंड का रिसदा गांव बीज उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है। उन्होंने इन गांवों को मॉडल गांव के रूप में विकसित करने तथा विभिन्न विभागों की योजनाओं से गांवों और ग्रामीणों को अधिकाधिक लाभान्वित करने को कहा, ताकि किसानों को प्रोत्साहन मिले और अन्य गांव भी जैविक एवं उन्नत कृषि के लिए प्रेरित हों। कलेक्टर ने जिले के सभी स्कूलों के शिक्षकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) स्किल में प्रशिक्षित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय एआई तकनीक का है और शिक्षा के क्षेत्र में इसके उपयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। रमन यूनिवर्सिटी ने शिक्षकों को एआई प्रशिक्षण देने में सहयोग की पहल की है। कोटा और तखतपुर विकासखंड में प्रशिक्षण की शुरुआत भी हो चुकी है। उन्होंने प्रशिक्षण को जिले के सभी स्कूलों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों को प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि

यह योजना सभी वर्गों के लिए उपयोगी है और इससे बिजली के खर्च में कमी के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा को भी बढ़ावा मिलता है। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को शिक्षकों एवं अन्य विभागों की बैठकों में उपस्थित होकर योजना की प्रक्रिया, पात्रता और लाभ की विस्तार से जानकारी देने के निर्देश दिए। बैठक में योजना का लाभ ले चुके अधिकारियों ने अपने अनुभव भी साझा किए। एडीएम श्री शिवकुमार बैनर्जी ने बताया कि सोलर प्लांट स्थापित करने के बाद उनके घर का बिजली बिल लगभग 4 हजार रुपये से घटकर करीब 1 हजार रुपये रह गया है। जिले में अब तक लगभग 6 हजार घरों में पीएम सूर्यघर योजना के तहत सोलर प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं। शहर में हाल के दिनों में सामने आई जलभराव की समस्या को देखते हुए कलेक्टर ने नगर निगम और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग के अधिकारियों को भवनों के नक्शे स्वीकृत करते समय पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि नगर निगम क्षेत्र में भूमिगत जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण के लिए राज्य शासन द्वारा 10 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके तहत प्रत्येक वार्ड में उपयुक्त स्थान चिन्हित कर जल संरक्षण एवं भू-जल पुनर्भरण के लिए संरचनाएं विकसित की जाएंगी। कलेक्टर ने सेवा सेतु पोर्टल में शामिल योजनाओं की भी समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के निराकरण की गुणवत्ता बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि केवल शिकायत का निराकरण दर्ज करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रयास यह होना चाहिए कि आवेदक भी संतुष्ट हो।

जशपुर वनमण्डल की गजरथ यात्रा को मिली नई पहचान...

जशपुर। मानवहाथी द्वंद्व को कम करने, हाथियों के संरक्षण एवं स्थानीय ग्रामीण समुदायों में हाथियों के प्रति जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से जशपुर वनमण्डल द्वारा संचालित जनजागरूकता अभियान गजरथ यात्रा के द्वितीय चरण पर आधारित पुस्तक गजरथ यात्राङ्कभाग 02 का विमोचन आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज कैम्प कार्यालय बगिया किया । जशपुर वनमण्डल द्वारा हाथी संरक्षण एवं मानवहाथी सहअस्तित्व की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को राज्य स्तर पर पहचान दिलाने वाला महत्वपूर्ण अवसर रहा। इस अवसर पर कलेक्टर श्री रोहित व्यास डीएफओ श्री शशि कुमार, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार, और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। जशपुर वनमण्डल द्वारा हाथी प्रभावित क्षेत्रों में विगत वर्षों से हाथियों के संरक्षण, मानवहाथी सहअस्तित्व को बढ़ावा देने तथा ग्रामीणों को हाथियों के साथ सुरक्षित व्यवहार के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न अभिनव गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में गजरथ यात्रा को एक प्रभावी जनजागरूकता अभियान के रूप में संचालित किया जा रहा है। गांवगांव और विद्यालयों तक पहुंच रहा गजरथगजरथ यात्रा के माध्यम से हाथी प्रभावित ग्रामों, विद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों तक पहुंचकर आम नागरिकों, विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को हाथियों के प्राकृतिक व्यवहार, उनके आवास, भोजन एवं विचरण क्षेत्र तथा हाथियों की गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी जाती है। ग्रामीणों को हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने, हाथियों की उपस्थिति के दौरान अनावश्यक रूप से उनके निकट नहीं जाने तथा किसी भी आपात स्थिति में वन विभाग को तत्काल सूचना देने के संबंध में भी जागरूक किया जाता है। अभियान का प्रमुख उद्देश्य हाथियों को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में व्याप्त भय एवं भ्रांतियों को दूर कर वैज्ञानिक, संवेदनशील एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण विकसित करना है, ताकि हाथियों और मानव समुदाय के बीच संघर्ष की संभावनाओं को कम किया जा सके। गजरथ यात्राङ्कभाग 02 में संकलित हैं जशपुर के संरक्षण प्रयास पुस्तक गजरथ यात्राङ्कभाग 02 में जशपुर वनमण्डल द्वारा हाथी संरक्षण एवं मानवङ्कहाथी द्वंद्व प्रबंधन की दिशा में किए जा रहे विभिन्न प्रयासों का विस्तृत संकलन किया गया है। इसमें जनजागरूकता कार्यक्रमों, ग्रामीण सहभागिता, विद्यार्थियों की भागीदारी तथा हाथियों के साथ सुरक्षित एवं सहङ्कअस्तित्वपूर्ण व्यवहार को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया है।

सिम्स में 38 वर्षीय महिला के रेडिकुलर सिस्ट का सफल उपचार

बिलासपुर। दांतों की सड़न और दर्द को मामूली समझकर लंबे समय तक नजरअंदाज करना कई बार गंभीर स्वास्थ्य समस्या का कारण बन सकता है। इसका एक उदाहरण सिम्स बिलासपुर के दंत चिकित्सा विभाग में सामने आया, जहां 38 वर्षीय महिला के जबड़े में पुरानी सड़न और संक्रमण के कारण बनी बड़ी रेडिकुलर सिस्ट का सफल उपचार किया गया। मरीज का उपचार आयुष्मान योजना के तहत पूरी तरह निःशुल्क किया गया। मरीज जबड़े में सूजन की शिकायत लेकर सिम्स के दंत चिकित्सा विभाग पहुंची थी। जांच के दौरान चिकित्सकों ने डिजिटल एक्स-रे एवं सीबीसीटी की सहायता से बीमारी की पहचान की। जांच में सामने आया कि प्रभावित दांत की जड़ के पास जबड़े की हड्डी का एक बड़ा हिस्सा सिस्ट के कारण प्रभावित हो चुका था। दंत रोग विशेषज्ञ डॉक्टर भूपेंद्र कश्यप के अनुसार रेडिकुलर सिस्ट मुंह के भीतर विकसित होने वाली एक प्रकार की गांठ या थैली होती है, जिसमें तरल पदार्थ भरा होता है। यह सामान्यत: ऐसे दांत की जड़ के आसपास विकसित होती है, जो लंबे समय से सड़ा हुआ हो अथवा जिसमें पुराना संक्रमण हो। दांत की नस के निष्क्रिय या मृत होने के बाद संक्रमण धीरे-धीरे जड़ के आसपास की हड्डी तक पहुंच सकता है और समय के साथ सिस्ट का रूप ले सकता है। शुरुआती अवस्था में रेडिकुलर सिस्ट के लक्षण स्पष्ट नहीं होते और कई बार मरीज को दर्द भी महसूस नहीं होता। धीरे-धीरे प्रभावित दांत के आसपास मसूड़े या जबड़े में हल्की सूजन, दांत का रंग काला या गहरा पीला पड़ना तथा चबाते समय दर्द जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। गंभीर स्थिति में चेहरे की बनावट में बदलाव अथवा दांत के हिलने जैसी समस्या भी हो सकती है। सिम्स में जांच के बाद चिकित्सकों की टीम ने मरीज के उपचार की योजना तैयार की। उपचार के पहले चरण में संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए प्रभावित दांत की रूट कैनाल थेरेपी की गई। इसके बाद छोटे चीरे के माध्यम से सर्जिकल एन्यूक्लिएशन की प्रक्रिया अपनाकर सिस्ट को पूरी तरह बाहर निकाल दिया गया। इस प्रक्रिया में आसपास की हड्डी को अनावश्यक नुकसान पहुंचाए बिना सिस्ट को निकाला गया।

गश्त के दौरान तोरवा पुलिस की कार्रवाई, धारदार बटनदार चाकू के साथ आरोपी और विधि से संघर्षरत बालक पकड़े गए

बिलासपुर। तोरवा पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान शंकर नगर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए धारदार बटनदार चाकू रखने वाले एक युवक और एक विधि से संघर्षरत बालक को पकड़ा है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से दो नग स्टील के बटनदार धारदार चाकू जब्त किए हैं। क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा असामाजिक तत्वों एवं चाकूबाजों के खिलाफ तोरवा पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 16 अगस्त 2026 की रात पुलिस टीम गश्त पर थी। इस दौरान शंकर नगर, तोरवा के पास दो संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिए। पुलिस ने दोनों को रोककर पूछताछ की और उनकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान दोनों के कब्जे से 02 नग बटनदार धारदार चाकू बरामद हुए। पूछताछ एवं जांच के बाद एक की पहचान सुमीत कुर्मी, पिता विष्णु कुर्मी, उम्र 22 वर्ष, निवासी शंकर नगर, बांबे आवास, तोरवा, बिलासपुर के रूप में हुई। दूसरा व्यक्ति विधि से संघर्षरत बालक पाया गया, जो हेमूनगर, तोरवा, बिलासपुर का निवासी है। मुख्य आरोपी सुमीत कुर्मी के विरुद्ध थाना तोरवा में अपराध क्रमांक 438/2026, धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। वहीं विधि से संघर्षरत बालक के संबंध में किशोर न्याय बोर्ड अधिनियम के प्रारूप-01 नियम 8(1), 8(5) के अंतर्गत सामाजिक पृष्ठभूमि तथा प्रारूप-02 नियम 8(7) के तहत पारिवारिक पृष्ठभूमि तैयार कर उसे किशोर न्याय बोर्ड, बिलासपुर के समक्ष पेश किया गया।

हर घर जल योजनाओं के लंबित भुगतान को मंजूरी, जल स्त्रोतों की स्थिरता पर जोर

बिलासपुर। जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जल जीवन मिशन के लंबित कार्यों एवं अंतिम भुगतान, जल स्रोतों की स्थिरता, पंचायतों के वित्तीय संसाधनों के अभिसरण तथा ग्रामीण स्वच्छता से जुड़े विषयों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में चकरभाठा, मटियारी, लोफंदी, परहदा, लघरा, मणिकपुर, बन्नाकडीह, घोघरा, कोरबी, बांका, रामपुर, गोपालपुर, कुली, बरेली एवं बैमा सहित 15 हर घर जल योजनाओं के लंबित अंतिम भुगतान के प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। जल जीवन मिशन 2.0 के तहत जल स्रोतों की दीर्घकालीन स्थिरता के लिए कार्ययोजना पर चर्चा हुई। जिले में स्थापित 9,285 हैंडपंपों में से 7,428 स्थानों पर पर्याप्त जगह उपलब्ध होने के कारण सोखपिट एवं अन्य जल संरक्षण संरचनाएं विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया। वहीं, 1,494 जल जीवन मिशन जल स्रोतों के लिए वॉटर/इंजेक्शन वेल आधारित भूजल पुनर्भरण

व्यवस्था विकसित करने की योजना पर भी विचार किया गया। प्रत्येक इकाई की अनुमानित लागत 4.45 लाख रुपये है। सोलर आधारित जल योजनाओं की आवश्यक गैप फंडिंग ग्राम पंचायतों के माध्यम से 16वें वित्त आयोग के जल एवं स्वच्छता संबंधी प्रावधानों से किए जाने पर चर्चा हुई। पंचायत स्तर पर उपलब्ध संसाधनों के अभिसरण के लिए आवश्यक समन्वय पर भी विचार-विमर्श किया गया। पाइप एवं संबंधित सामग्री की गुणवत्ता जांच को मजबूत करने के लिए 1.53 लाख रुपये की लागत से मफल फर्नेस की स्थापना/क्रय के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने ग्राम स्तर पर ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने 100 किलोग्राम से अधिक ठोस अपशिष्ट उत्पन्न करने वाले ग्रामों में वैज्ञानिक संग्रहण, प्रसंस्करण एवं निस्तारण को प्राथमिकता देने कहा। साथ ही प्रत्येक ग्राम में स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप 2-3 जल पुनर्भरण संरचनाएं विकसित करने पर जोर दिया।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

■ अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में लोगों की समस्याएं सुनी। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने उनसे मिलकर निजी एवं सामुदायिक शिकायत संबंधी आवेदन दिया। उन्होंने अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश कुमार सर्वे एवं अपर कलेक्टर डॉ. ज्योति पटेल ने भी लोगों की समस्याएं सुनी। जनदर्शन में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए रत्नदेव साहित्यिक एवं सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष द्वारा रतनपुर में पर्यटक सहयोग केंद्र खोलने की मांग की है। उन्होंने कहा कि रतनपुर को तालाबों एवं मंदिरों की नगरी के रूप में जाना जाता है और यहां प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक पहुंचते हैं। समिति द्वारा पर्यटकों की सुविधा के लिए पर्यटन सहयोग केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा तथा इस कार्य में निःशुल्क सहयोग देने की बात कही है। छत्तीसगढ़ स्कूल सफाई

कर्मचारी कल्याण संघ के जिला अध्यक्ष श्री विद्यानंद निर्मलकर ने स्कूल सफाई कर्मियों के मानदेय भुगतान को लेकर आवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि जिले के स्कूलों में कार्यरत स्कूल सफाई कर्मियों को समय पर मानदेय नहीं मिलने के कारण आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बेलतरा निवासी राजकुमार जायसवाल ने निजी भूमि से ट्रांसफार्मर एवं विद्युत प्रवाहित तार हटाने की मांग की है। उन्होंने बताया कि उनकी निजी भूमि पर सीएसपीडीसीएल द्वारा ट्रांसफार्मर का खंभा गाड़ दिया गया है एवं विद्युत प्रवाहित तार गुजारा गया है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत बैमा के सचिव, सरपंच एवं ग्रामीणों द्वारा कलेक्टर से मुलाकात कर गुन्डी नाला में अशोक साहू द्वारा किए गए अवैध बेजा कब्जा को हटाने की मांग की है। उन्होंने बताया कि अशोक साहू द्वारा नाला में मिट्टी डालकर नाला को बंद कर दिया गया है। गुन्डी नाला में बस्ती का पानी भी जाने वाले नाला को भी बंद किया गया है। तखतपुर के लिदरी निवासी शिवशंकर सप्रे ने बताया कि वे लिदरी स्थित कृष्ण कुंज गार्डन में 2 साल से चौकीदार के पद पर कार्यरत थे। विगत दो साल का भुगतान उन्हें नहीं किया गया है। उन्होंने कलेक्टर से मिलकर अपनी समस्या से अवगत कराया। रतनपुर क्षेत्र के ग्राम लालपुर के ग्रामवासियों ने चांपी जलाशय चपोरा ग्राम लालपुर के नहर को पक्की नहर बनाने के संबंध में कलेक्टर को अपना ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में नहर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है, जिसके कारण पानी गांव तक सही तरीके से नहीं पहुंच रहा है एवं बीच से टूटी हुई नहर से पानी व्यर्थ बह रहा है। कलेक्टर ने सभी की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने एवं समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिए।

शराब के साथ शराब कोचिया गिरफ्तार.....

सारंगढ़। अवैध शराब बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत भटगांव पुलिस ने ग्राम सलोनीकला के सबरिया डेरा में छापामार कार्रवाई कर एक शराब कोचिया को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 47 लीटर हाथ भट्ठी की कच्ची महुआ शराब बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत 9,400 रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरेंद्र पटेल एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस दीपिका मिंज के मार्गदर्शन में जिले में अवैध शराब की बिक्री एवं परिवहन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में थाना प्रभारी उप निरीक्षक शिवकुमार धारी के नेतृत्व में 16 अगस्त को पुलिस टीम ने कार्रवाई की। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सबरिया डेरा सलोनीकला निवासी बनाऊ गोड अपने घर में अवैध रूप से महुआ शराब बिक्री के लिए रखे हुए है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश देकर आरोपी को शराब के साथ रंगे हाथों पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 47 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद हुई, जिसे गवाहों की मौजूदगी में विधिवत जब्त किया गया। आरोपी बनाऊ गोड, पिता लालजी गोड, उम्र 32 वर्ष, निवासी सबरिया डेरा सलोनीकला, थाना भटगांव, जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत अपराध दर्ज कर उसे विधिवत गिरफ्तार किया गया।

सावन में शिवलिंग पर बेलपत्र अर्पित करने का महत्व

सावन का पवित्र महीना चल रहा है। हिंदू धर्म में सावन महीने का विशेष महत्व होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार सावन का महीना कृष्ण प्रतिपदा तिथि लेकर पूर्णिमा तिथि तक रहता है। सावन में विधि-विधान के साथ भगवान शिव की पूजा करने और व्रत रखने का महत्व होता है। सावन में शिवलिंग की विशेष रूप से पूजा होती है जिसमें शिवलिंग पर जलाभिषेक, बेलपत्र, भांग, धतूरा और दूध आदि अर्पित करते हैं। भगवान शिव को बेलपत्र बहुत ही प्रिय होता है और इसे अर्पित करने से कई गुना अधिक फल की प्राप्ति होती है। शिवपुराण में बेलपत्र को भगवान शिव का स्वरूप और स्कंद पुराण में बेल के पेड़ को माता पार्वती का स्वरूप माना गया है। बिल्व के पेड़ की जड़ में गिरिजा, तने में महेश्वरी और पत्तों में देवी पार्वती का वास होता है। इस तरह से सावन में शिवलिंग पर बेलपत्र अर्पित करने और बेलपत्र के पेड़ की पूजा करने से कई गुने अधिक फलों की प्राप्ति होती है। आइए जानते हैं बेलपत्र और इसके पेड़ से संबंधित कौन सा उपाय करना बहुत ही शुभ माना जाता है।

बेलपत्र के पेड़ पर जल चढ़ाएं

सावन में बेलपत्र के पेड़ की पूजा करने से संपूर्ण तीर्थों के स्नान के बराबर का पुण्य लाभ मिलता है। इसके अलावा सावन में बेलपत्र के पेड़ के जड़ में पानी डालने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं।

बेलपत्र की जड़ों में माला अर्पित

सावन के महीने मे बेलपत्र की जड़ों में गंध, पुष्प और माला आदि अर्पित करने से संतान सुख की प्राप्ति होती है। इससे व्यक्ति को शिवलोक की प्राप्ति होती है।

बेलपत्र के पेड़ के नीचे ब्राह्मण को भोजन करवाएं

सावन में जो व्यक्ति ब्राह्मण को बेलपत्र के पेड़ के नीचे भोजन करवाता है उसको एक करोड़ ब्राह्मणओं को भोजन कराने के बराबर का फल मिलता है।

बेलपत्र के नीचे दान

सावन के महीने में भगवान शिव और बेल के पेड़ की पूजा करने के साथ बेलवृक्ष के नीचे दूध, घी और अनाज का दान करने से व्यक्ति को धन की प्राप्ति और दरिद्रता दूर होती है।

बेलपत्र के नीचे करें शिव मंत्रों को जाप

सावन में शिव मंत्रों के द्वारा आराधना करने से सभी तरह के सुखों की प्राप्ति होती है।

ईशान कोण में ये चीजें रखना शुभ...

वास्तु शास्त्र की मानें तो घर का हर कोना हमारे जीवन पर प्रभाव डालता है। इसलिए वास्तु के नियमों का पालन करके हम अगर सही दिशा में सही वस्तुएं रखते हैं तो जीवन में सकारात्मकता बनी रहती है। ऐसे में आज हम आपको बताने वाले हैं कि ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) में क्या चीजें रखने से आपके घर में सुख-शांति आती है, आर्थिक लाभ मिलता है और भाग्य का भी आपको साथ मिलने लगता है। ईशान कोण में रखें ये चीजें

● ईशान कोण के देवता भगवान शिव हैं वहीं देवगुरु बृहस्पति को इस दिशा का स्वामी ग्रह माना जाता है। ऐसे में अगर आप ईशान कोण में गुरु यंत्र या फिर भगवान शिव की प्रतिमा रखते हैं तो घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। ऐसा करने से आपको करियर और आर्थिक पक्ष में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। गुरु ग्रह को संपन्नता का कारक माना जाता है ऐसे में अगर आप गुरु यंत्र ईशान कोण में स्थापित करते हैं तो आपकी तिजोरी पैसों से भर सकती है।

● ईशान कोण में शंख रखना भी अच्छा माना गया है। भगवान विष्णु के प्रतीक शंख को अगर आप ईशान कोण में रखते हैं तो आपको सुख-समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है। हालांकि इस दिशा में रखे शंख की आपको पूजा करनी चाहिए और इसे घर के लोगों के अलावा किसी और को नहीं छूने देने चाहिए। इस शंख का इस्तेमाल बजाने के लिए आपको नहीं करना चाहिए।

● कलश को भी आप घर के ईशान कोण में रख सकते हैं। कलश को दैवीय शक्तियों का आह्वान करने का स्रोत माना जाता है। ऐसे में अगर आप घर के ईशान कोण में कलश रखते हैं तो देवी-देवताओं की कृपा आप पर बनी रहती है। इससे साथ ही वास्तु से संबंधित दोष भी दूर होते हैं। ईशान कोण में कलश रखने से आरोग्य की आपको प्राप्ति होती है और साथ ही आर्थिक रूप से भी आप संपन्न होते हैं।

● घर के ईशान कोण में आपको श्रीफल रखने से भी बेहद शुभ फल मिल सकते हैं। श्रीफल को माता लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है ऐसे में अगर आप ईशान कोण में श्रीफल रखते हैं तो धन-धान्य की आपके जीवन में कोई कमी नहीं रहती। श्रीफल के प्रभाव से घर में मौजूद नकारात्मकता भी दूर होने लगती है। श्रीफल रखने से घर का वातावरण भी पवित्र और सात्विक बना रहता है। अगर आप विस्तार से जानना चाहते हैं कि ईशान कोण को शुभ क्यों माना जाता है और इस दिशा में पूजा करना लाभकारी क्यों है तो हमारी वेबसाइट पर विस्तार से पढ़ सकते हैं।

बारिश में झूला झूलते समय रखें इन बातों का ध्यान

हरियाली तीज का त्योहार महिलाओं के लिए खास उत्साह और उमंग लेकर आता है। इस दौरान जगह-जगह पेड़ों पर झूले लगाए जाते हैं और महिलाएं पारंपरिक गीत गाते हुए झूला झूलती हैं। लेकिन मानसून के मौसम में नमी और लगातार बारिश के कारण झूलों की रस्सियों, कपड़ों और आसपास की सतहों पर फंगस और बैक्टीरिया पनपने का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए तीज के जश्न के साथ त्वचा की स्वच्छता और सुरक्षा का भी ध्यान रखना जरूरी है। कुछ आसान सावधानियां अपनाकर आप मानसून में फंगल इंफेक्शन के खतरे को कम कर सकती हैं और त्योहार का आनंद सुरक्षित तरीके से उठा सकती हैं।

तीज के झूलों से फंगल इंफेक्शन का खतरा क्यों?

मानसून में वातावरण में नमी अधिक होती है। यही नमी फंगस के पनपने के लिए अनुकूल माहौल बनाती है। अगर झूले की रस्सी या सीट बारिश में भीग गई हो और उसे ठीक से सुखाया न गया हो, तो उस पर नमी बनी रह सकती है। लगातार कई लोगों के इस्तेमाल से त्वचा से निकलने वाले पसीने और गंदगी के संपर्क में आने की संभावना भी बढ़ जाती है।

लक्षणों को नजरअंदाज न करें

अगर त्वचा पर लगातार खुजली, लाल चकत्ते, गोल-गोल दाने, जलन, सूजन या पपड़ी जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं, तो इन्हें सामान्य एलर्जी समझकर नजरअंदाज न करें। मानसून में नमी के कारण फंगल इंफेक्शन तेजी से बढ़ सकता है और शरीर के दूसरे हिस्सों में भी फैल सकता है। खासकर अगर खुजली बढ़ रही हो, दाने फैल रहे हों या घरेलू देखभाल के बावजूद कुछ दिनों में राहत न मिले, तो खुद से कोई क्रीम लगाने के बजाय डर्मेटोलॉजिस्ट से सलाह लेना बेहतर है। सही समय पर इलाज शुरू करने से संक्रमण को बढ़ने से रोका जा सकता है।

फंगल इंफेक्शन से बचने के लिए रखें इन बातों का ध्यान

- बारिश से भीगा हुआ झूला इस्तेमाल करने से बचें
- गीले कपड़े पहनकर लंबे समय तक न रहें।
- बारिश में भीगने पर जल्द से जल्द कपड़े बदलें
- जांघों, कमर, बगल और पैरों के बीच नमी जमा न होने दें
- किसी दूसरे व्यक्ति का तौलिया या कपड़ा इस्तेमाल न करें
- सार्वजनिक झूले पर बैठने से पहले उसकी सतह और रस्सी की स्थिति जरूर जांचें
- ज्यादा देर तक पसीने वाले कपड़ों में रहने से त्वचा में फंगल संक्रमण का जोखिम बढ़ सकता है

आज का राशिफल

मेष राशि - कल कार्यक्षेत्र में आपको अपनी क्षमता दिखाने का नया अवसर मिल सकता है। मेष राशि के कल के राशिफल के अनुसार आपको किसी महत्वपूर्ण योजना की जिम्मेदारी मिलने से व्यस्तता बढ़ेगी, लेकिन मेहनत की सराहना भी होगी। नए व्यवसाय, फ्रेंचाइजी या निवेश से जुड़ी योजना बना रहे हैं तो पहले पूरी जानकारी जुटाएं।

वृषभ राशि - कल नौकरी में लंबे समय से अटके काम पूरे होने से मन प्रसन्न रहेगा। व्यापार में स्टॉक, सप्लाई और वितरण व्यवस्था को बेहतर बनाने का अवसर मिलेगा। आर्थिक मामलों में छोटी बचत भी आगे चलकर उपयोगी साबित हो सकती है। परिवार के किसी बुजुर्ग की सलाह आपको सही दिशा देगी।

मिथुन राशि - आपकी रचनात्मक सोच कार्यक्षेत्र में नई पहचान दिला सकती है। किसी मुश्किल काम का समाधान आपके नए विचार से निकल सकता है। व्यापार में डिजिटल मार्केटिंग, ऑनलाइन बिक्री और प्रचार से जुड़े प्रयास लाभ दे सकते हैं। विद्यार्थी किसी नए विषय को सीखने में विशेष रुचि दिखाएंगे। भाई-बहनों के साथ भविष्य की किसी योजना पर चर्चा हो सकती है।

कर्क राशि - परिवार आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण रहेगा। घर में किसी जरूरी विषय पर सभी की सहमति से निर्णय लिया जा सकता है। नौकरी में जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निभाने से वरिष्ठ अधिकारियों का विश्वास बढ़ेगा। व्यापार में पुराने और नियमित ग्राहकों से अच्छे संबंध बने रहेंगे।

सिंह राशि - सिंह राशि वालों की राशि के अनुसार कल आपकी नेतृत्व क्षमता आपको आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सिंह राशि के कल के राशिफल के अनुसार आपको कार्यक्षेत्र में किसी टीम या महत्वपूर्ण परियोजना की जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में प्रभावशाली लोगों से मुलाकात भविष्य में लाभ का रास्ता खोल सकती है।

कन्या राशि - आपकी व्यवस्थित कार्यशैली आपको सफलता दिला सकती है। नौकरी में दस्तावेज, लेखा, विश्लेषण या तकनीकी काम करने वालों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। व्यापार में गुणवत्ता सुधारने और अनावश्यक खर्च कम करने से लाभ बढ़ सकता है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में एकाग्रता का पूरा फायदा मिलेगा।

तुला राशि- ए लोगों से संपर्क आपके लिए भविष्य के अच्छे अवसर लेकर आ सकता है। कार्यस्थल पर सहकर्मियों के साथ तालमेल बेहतर रहेगा और टीमवर्क से फायदा मिलेगा। व्यापार में साझेदारी या संयुक्त प्रयास से लाभ मिलने के संकेत है। कला, संगीत, मीडिया और फैशन से जुड़े लोगों को प्रतिभा दिखाने का मौका मिल सकता है।

वृश्चिक राशि -आपकी गंभीर सोच और धैर्य मुश्किल परिस्थितियों को संभालने में मदद करेंगे। नौकरी में किसी जटिल काम का समाधान आपकी सूझबूझ से निकल सकता है। व्यापार में नई रणनीति बनाकर प्रतिस्पर्धा मे आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। आर्थिक मामलों में बड़े जोखिम लेने से बचें।

धनु राशि-ज्ञान और अनुभव आपके लिए सफलता के नए रास्ते खोल सकते हैं। उच्च शिक्षा, प्रशिक्षण, यात्रा, शोध और लेखन से जुड़े लोगों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं। धनु राशि के कल के राशिफल के अनुसार आपको नौकरी में वरिष्ठ अधिकारी काम से संतुष्ट रहेंगे। व्यापार में नए शहरों या ग्राहकों से जुड़ने की योजना आगे बढ़ सकती है।

मकर राशि - आपकी मेहनत और अनुशासन का सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। कार्यस्थल पर समय पर काम पूरा करने से आपकी छवि मजबूत होगी। व्यापार में उपलब्ध संसाधनों का सही इस्तेमाल आर्थिक लाभ बढ़ा सकता है। भविष्य की बचत और आर्थिक योजनाओं को व्यवस्थित करने के लिए दिन अच्छा है।

कुंभ राशि- आपकी नई सोच और तकनीकी समझ आपको कार्यक्षेत्र में आगे ले जा सकती है। नौकरी में दिए गए सुझावों को वरिष्ठों की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है। व्यापार में ऑनलाइन विस्तार या नई तकनीक अपनाने से फायदा होने के संकेत हैं। मित्रों के साथ किसी रचनात्मक योजना की शुरुआत हो सकती है।

मीन राशि- आपकी कल्पनाशक्ति और संवेदनशीलता आपको विशेष सफलता दिला सकती है। साहित्य, संगीत, चित्रकला, योग और आध्यात्मिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। नौकरी में आपकी शांत और सहयोगी कार्यशैली से सहकर्मियों का विश्वास बढ़ेगा। व्यापार में ग्राहकों की जरूरतों को समझकर किए गए बदलाव लाभकारी साबित हो सकते हैं।

रोजाना सुबह सिर्फ 15 मिनट स्क्वाट्स करने के फायदे

फिट रहने के लिए आज के समय में लोग अलग अलग तरह के एक्सरसाइज करते हैं। इन्हीं में से एक है स्क्वाट्स। स्क्वाट्स एक बेहतरीन बॉडीवेट एक्सरसाइज़ है। ये कई बॉडी पार्ट्स को फायदे पहुंचाता है। ये मुख्य रूप से क्वाड्रिसेप्स, हैमस्ट्रिंग, ग्लूट्स और काफ़ मसल्स के लिए फायदेमंद है।

स्क्वाट्स करते समय शरीर का संतुलन बनाए रखने के लिए कोर और पीठ की मसल्स भी सक्रिय रहती हैं। कई मसल्स के एक साथ इस्तेमाल होने की वजह से स्क्वैट्स बहुत असरदार माना जाता है। लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि रोजाना सुबह अगर सिर्फ 15 मिनट स्क्वाट्स किया जाए तो क्या फायदे होते हैं। यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि रोजाना सिर्फ 15 मिनट स्क्वाट्स करने से क्या क्या फायदे मिलते हैं।

1. लोअर बॉडी और कोर की मजबूती

स्क्वाट्स एक बेहतरीन एक्सरसाइज है। यह एक साथ कई मांसपेशियों पर काम करता है। जब आप स्क्वाट्स करते हैं, तो आपकी जांघों, कूल्हों को मजबूती मिलती है। इसके अलावा, उठते-बैठते समय संतुलन बनाए रखने के लिए आपकी पेट और पीठ की मांसपेशियां भी सक्रिय होती है, जिससे कोर मजबूत बनता है।

2. फैट बर्न करने में सहायक

भले ही आप सिर्फ 15 मिनट स्क्वाट्स करें, लेकिन यह एक हाई-इंटेंसिटी एक्सरसाइज है। स्क्वाट्स शरीर की सबसे बड़ी मांसपेशियों जैसे जांघों और ग्लूट्स को टारगेट करते हैं। बड़ी मांसपेशियों के सक्रिय होने से मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है, जिससे शरीर आराम करते समय भी तेजी से कैलोरी और फैट बर्न करता है। सुबह-सुबह इसे करने से आपका मेटाबॉलिक रेट पूरे दिन हाई रहता है।

3. बॉडी पोस्चर

आजकल डेस्क जॉब के कारण अधिकांश लोग गलत पोस्चर और पीठ दर्द से परेशान हैं। रोजाना स्क्वाट्स करने से रीढ़ की हड्डी सीधी होती है और शरीर का संतुलन सुधरता है। यह आपके टखनों, घुटनों और कूल्हों के जोड़ों में लचीलापन बढ़ाता है, जिससे बढ़ती उम्र में भी जोड़ों के दर्द की समस्या नहीं होती।

4. दिल की सेहत और स्टैमिना में सुधार

जब आप लगातार 15 मिनट तक स्क्वाट्स करते हैं, तो दिल की धड़कनें बढ़ती हैं, जिससे पूरे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। नियमित रूप से ऐसा करने से फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है, स्टैमिना में सुधार होता है और दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है।

मानसून में तीन दिन तक बुखार रहने पर कराएं ये जरूरी टेस्ट

मानसून का मौसम भीषण गर्मी से राहत तो लाता है, लेकिन अपने साथ कई तरह के संक्रमण और बीमारियां भी लेकर आता है। बारिश के दिनों में जलजमाव और नमी के कारण मच्छर, बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं। यही वजह है कि इस मौसम में डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड और चिकगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। अक्सर लोग बुखार आने पर इसे सामान्य वायरल समझकर खुद ही दवाइयां लेने लगते हैं। हालांकि, यदि मानसून के मौसम में बुखार लगातार 3 दिन या उससे अधिक समय तक बना रहे, तो यह किसी गंभीर संक्रमण का संकेत हो सकता है। ऐसे में लंबे समय तक बुखार रहने पर जांच कराना जरूरी है। समय पर सही जांच न कराने से स्थिति बिगड़ सकती है।

डॉक्टर के मुताबिक तीन दिन से बुखार रहना सामान्य वायरल संक्रमण का संकेत हो सकता है, लेकिन इसे हल्के में लेना सही नहीं है। खासकर यदि बुखार के साथ तेज सिरदर्द, शरीर में दर्द, आंखों के पीछे दर्द, उल्टी, दस्त या अत्यधिक कमजोरी जैसे लक्षण भी हों, तो डॉक्टर से तुरंत परामर्श लेना चाहिए। ऐसे मामलों में डॉक्टर मरीज के लक्षण, मेडिकल हिस्ट्री और आसपास के संक्रमण के जोखिम को देखते हुए लेप्टोस्पायरोसिस सहित अन्य बीमारियों की जांच की सलाह दे सकते हैं। लेप्टोस्पायरोसिस एक बैक्टीरियल संक्रमण है, जो संक्रमित जानवरों, विशेष रूप से चूहों के मूत्र से दूषित पानी या मिट्टी के संपर्क में आने से फैलता है।

मानसून में कैसे रखें छोटे बच्चों का ध्यान?

बारिश के मौसम में छोटे बच्चों को इंफेक्शन होने का खतरा काफी बढ़ जाता है। दरअसल, बच्चों का इम्यून सिस्टम पूरी तरह विकसित नहीं हुआ होता, जिससे वे बीमारियों की चपेट में जल्दी आ जाते हैं। मानसून के दौरान बढ़ी हुई नमी, सीलन, वायरस और बैक्टीरिया के तेजी से फैलने के साथ-साथ मच्छरों की संख्या बढ़ने के कारण बच्चों में सर्दी-खांसी, पेट से जुड़े इंफेक्शन और मच्छरों से होने वाली बीमारियों का जोखिम ज्यादा हो जाता है। ऐसे में माता-पिता को बच्चों की देखभाल में खास सावधानी बरतने की जरूरत होती है। आज हम आपको कुछ ऐसी जरूरी और आसान टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें अपनाकर बच्चों को मानसून में स्वस्थ रखा जा सकता है।

साफ-सफाई का ध्यान

बच्चे को गोद में लेने या उसे दूध पिलाने से पहले हमेशा हाथ अच्छी तरह धोएं। उसके खिलौने, पैसिफायर और दूध पिलाने से जुड़ी चीजों को नियमित रूप से साफ करें।

अगर बच्चा खाना खाना शुरू कर चुका है, तो उसे हमेशा ताजा बना हुआ खाना दें और पका हुआ खाना लंबे समय तक रखकर न खिलाएं, क्योंकि बारिश के मौसम में नमी और गर्माहट की वजह से उसमें बैक्टीरिया जल्दी पनप सकते हैं। अगर संभव हो, तो बच्चे को मां का दूध पिलाना जारी रखें, क्योंकि इसमें मौजूद एंटीबॉडीज उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती हैं।

घर को साफ रखें

घर को साफ, सूखा और हवादार रखना भी बहुत जरूरी है। सीलन और फफूंद बच्चों की सांस से जुड़ी परेशानियों को बढ़ा सकती हैं, इसलिए कमरों में हवा का आना-जाना बना रहे और नमी जमा न होने दें।

मच्छरदानी का इस्तेमाल

बच्चों को मच्छरों से बचाने के लिए मच्छरदानी का इस्तेमाल करें और घर के आसपास कहीं भी पानी जमा न होने दें।

इन मामलों में लें डॉक्टर से सलाह अगर बच्चे को लगातार बुखार रहे, वह ठीक से दूध या खाना न खा रहा हो, उसे सांस लेने में तकलीफ हो, वह जरूरत से ज्यादा सुस्त दिखाई दे या शरीर में पानी की कमी के लक्षण नजर आएं, तो बिना देरी किए डॉक्टर से सलाह लें। समय पर इलाज से गंभीर परेशानियों से बचा जा सकता है।

बच्चों को कैसे नहलाएं?

बच्चे को रोज गुनगुने पानी से नहलाएं और उसकी गर्दन, बगल और जांघों के बीच की त्वचा को अच्छी तरह सुखाएं, ताकि फंगल इन्फेक्शन और डायपर रैश की समस्या न हो।

कैसे कपड़े पहनाएं?

डॉक्टर ने बताया कि बच्चे को मुलायम और सूती कपड़े पहनाएं, ताकि उसे ज्यादा गर्मी न लगे, और अगर उसके कपड़े गीले या नम हो जाएं तो उन्हें तुरंत बदल दें।

कोविड का लौटता साया: आपकी इम्युनिटी ही आपका असली बचाव

विभिन्न क्षेत्रों में कोविड-19 के मामले पुन: सामने आ रहे हैं। ऐसे समय में एक चिकित्सा विशेषज्ञ बता रही हैं कि हमारी रक्षा प्रणाली कैसे कार्य करती है, स्वास्थ्य से जुड़े भ्रमों का निवारण करती है, और दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए प्रभावी उपाय प्रस्तुत करती है।

हैदराबाद, केरल और उत्तर प्रदेश में कोविड-19 के मामले दोबारा सामने आने का समाचार पढ़ते ही मेरा मन महामारी के उन विकट दिनों में लौट गया, और वे दृश्य किसी चलचित्र की भांति सामने घूमने लगे। उस समय जो एक शब्द मेरे भीतर गहराई से गूंजा, वह था, "रोग प्रतिरोधक क्षमता" (इम्यूनिटी)। मैंने इस बात पर विचार किया कि व्यक्तिगत और सामूहिक रोग प्रतिरोधक क्षमता कैसे विकसित होती है, इस आशा के साथ कि वैसा संकट फिर कभी न आए। लगभग प्रत्येक व्यक्ति ने अपने किसी

पारिवारिक सदस्य, मित्र या प्रियजन को खोया है, और वह पीड़ा आज भी बनी हुई है। आज भी अनेक लोग हृदय और अन्य महत्वपूर्ण अंगों को प्रभावित करने वाली कोविड-उत्तर (पोस्ट-कोविड) जटिलताओं से जूझ रहे हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता क्या है?

रोग प्रतिरोधक क्षमता शरीर की वह जन्मजात एवं अर्जित योग्यता है, जिसके द्वारा वह विषाणु (वायरस), जीवाणु (बैक्टीरिया) और अन्य बाह्य सूक्ष्मजीवों सहित हानिकारक रोगजनकों का विरोध करता है और स्वयं की रक्षा करता है। इसे मुख्य रूप से तीन प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है:

पहला, जन्मजात प्रतिरोधक क्षमता (इननेट इम्यूनिटी): यह वह प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली है जिसके साथ हम जन्म लेते हैं। यह त्वचा, आंसू और पेट के अम्ल (एसिड) जैसे शारीरिक और रासायनिक अवरोधों के माध्यम से सुरक्षा की पहली पंक्ति के रूप में कार्य करती है। यह बाह्य आक्रमणकारियों को रोकने के लिए तुरंत कार्य करती है, यद्यपि इसका दायरा सामान्य होता है।

दूसरा अर्जित / सक्रिय प्रतिरोधक क्षमता (एडॉप्टिव / एक्टिव इम्यूनिटी): यह वह विशेष सुरक्षा प्रणाली है जिसे हमारा शरीर समय के साथ विकसित करता है। जब शरीर किसी रोगजनक या टीके के संपर्क में आता है, तो प्रतिरक्षा प्रणाली उन जीवों को लक्षित करने के लिए विशेष प्रतिरक्षी (एंटीबॉडी) का निर्माण करती है, जिससे भविष्य में संपर्क होने पर तीव्र और अधिक प्रभावी प्रतिक्रिया मिलती है। सक्रिय प्रतिरोधक क्षमता दीर्घकालिक और प्राय: जीवनभर रहने वाली होती है।

तीसरा, निष्क्रिय प्रतिरोधक क्षमता (पैसिव इम्यूनिटी): यह बाहरी स्रोत से प्राप्त अल्पकालिक सुरक्षा है। उदाहरण के लिए, नवजात शिशु को गर्भनाल और स्तनपान के माध्यम से माता से एंटीबॉडी प्राप्त होते हैं। इसके अतिरिक्त, तत्काल सुरक्षा के लिए एंटीबॉडी युक्त रक्त उत्पादों (जैसे इम्युनोग्लोबुलिन) के माध्यम से भी निष्क्रिय प्रतिरोधक क्षमता दी जा सकती है। यद्यपि यह तुरंत कार्य करती है, परंतु इसकी सुरक्षा केवल कुछ सप्ताहों से महीनों तक ही रहती है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के उपाय टीकाकरण समय पर कराएं: शैशवावस्था से शुरू होने वाले समयबद्ध टीके प्रमुख संक्रामक रोगों से महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रदान करते हैं।

पूर्ण स्वच्छता बनाए रखें: घर, रसोई, कार्यस्थल और सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता का ध्यान रखें।

नियमित व्यायाम करें: प्रतिरक्षा कोशिकाओं की गतिशीलता बढ़ाने के लिए प्रतिदिन 20-30 मिनट शारीरिक गतिविधि करें।

नियंत्रण रखें: मैदा और अत्यधिक चीनी के स्थान पर साबुत अनाज, दालें और प्राकृतिक खाद्य पदार्थों का सेवन करें। **प्रोबायोटिक्स को आहार में शामिल करें**: सूक्ष्मजीवों के पोषण हेतु दैनिक आहार में दही और किण्वित (फर्मेंटेड) खाद्य पदार्थ शामिल करें।

Quro School में देशभक्ति के रंग में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस समारोह

भिलाई। Quro School में 15 अगस्त 2026 को स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर देशभक्ति, उत्साह और उमंग से भरपूर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रिंसिपल फराहाना सिद्दीकी, समस्त शिक्षकगण एवं स्टाफ विद्यार्थी तथा अभिभावकगण उपस्थित रहे। पूरे विद्यालय परिसर को तिरंगे के रंगों और आकर्षक सजावट से सजाया गया था, जिससे वातावरण पूरी तरह देशभक्ति से ओत-प्रोत नजर आया। कार्यक्रम की शुरुआत गरिमापूर्ण ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ हुई। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व और देश के प्रति अपने कर्तव्यों को दर्शाते हुए प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किए। समारोह में विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीत, नृत्य, नाटक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। विशेष रूप से कक्षा 1 एवं 2 के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नाटक ने सभी का मन मोह लिया। नन्हे विद्यार्थियों ने पूरे आत्मविश्वास और उत्साह के साथ अपनी प्रस्तुति दी, जिसे उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों ने खूब सराहा। प्री-प्राइमरी के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने आकर्षक फैंसी ड्रेस और मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर समारोह में विशेष आकर्षण जोड़ा। वहीं बड़े विद्यार्थियों ने भी शानदार नृत्य एवं देशभक्ति प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों की विभिन्न प्रस्तुतियों ने दर्शकों को खूब प्रभावित किया और पूरे कार्यक्रम में उत्साह बनाए रखा।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर सुंदर सजावट की गई थी। विद्यार्थियों और अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम का आनंद लिया तथा यादगार पलों को तस्वीरों में संजोया। बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह पूरे समारोह की सफलता को दर्शा रहा था। इस अवसर पर विद्यालय की प्रिंसिपल फराहाना सिद्दीकी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता केवल हमारा अधिकार नहीं, बल्कि देश के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। विद्यार्थियों को अपने अध्ययन, अनुशासन, संस्कार और अच्छे कार्यों के माध्यम से देश के विकास में योगदान देना चाहिए। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को देश की एकता, अखंडता और गौरव को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम की सफलता में विद्यालय के सभी शिक्षकगण एवं स्टाफ सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विशेष रूप से मिसेज कोकिला, मिसेज पल्लवी, मिस अरीबा, मिस मुस्कान एवं मिसेज मृत्तिका सहित सभी स्टाफ सदस्यों ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया और कार्यक्रम की तैयारियों में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। विद्यार्थियों में सान्वी, तिकेश, दिवशिखा, गौरव, प्रसिद्ध, शिवान्या, मोहम्मदुल्ला सहित अनेक विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और उत्साह से कार्यक्रम को सफल एवं यादगार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी विद्यार्थियों ने पूरे जोश और आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुतियाँ दीं।विद्यालय की प्रिंसिपल फराहाना सिद्दीकी ने सभी शिक्षकगण, स्टाफ सदस्यों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यक्रम की सफलता सामूहिक प्रयास का परिणाम है। उन्होंने विशेष रूप से विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के समर्पण की सराहना की। अंत में सभी उपस्थित अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं स्टाफसदस्यों का आभार व्यक्त किया गया। पूरे विद्यालय ने ÷जय हिंद÷ और ÷वंदे मातरम÷ के नारों के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह का उत्साहपूर्ण समापन किया। समारोह ने विद्यार्थियों में देशप्रेम, आत्मविश्वास, रचनात्मकता और एकता की भावना को और मजबूत किया तथा सभी के लिए स्वतंत्रता दिवस की इस खुशी को एक यादगार अनुभव बना दिया।

मोहारा में उत्साह के साथ मना सावन उत्सव, महिलाओं के लिए कई प्रतियोगिताओं का आयोजन

स्पर्धा में शामिल महिलाओं को किया गया सम्मानित, सभी ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

राजनांदगांव। मोहारा वार्ड में सावन पर्व के उपलक्ष्य में महिलाओं के लिए सावन उत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं के लिए कुर्सी दौड़, चम्मच दौड़, जलेबी दौड़, 100 मीटर दौड़, मटका फोड़, रस्सी खींचो एवं श्रेष्ठ छत्तीसगढ़ी वेशभूषा सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इसके साथ ही महिलाओं के लिए विशेष रूप से सावन झूले की भी व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि करुणा मधुसूदन यादव, अध्यक्षता वर्षा शरद सिन्हा तथा विशिष्ट अतिथि प्रीति आलोक श्रोती उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि करुणा मधुसूदन यादव ने आयोजन को सफल बनाने आयोजनकर्ता सभी महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के पारिवारिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में आपसी भाईचारा, उत्साह और एकजुटता बढ़ाने का कार्य करते हैं। उन्होंने इस आयोजन को प्रतिवर्ष आयोजित करने के लिए भी सभी को प्रोत्साहित किया। सावन उत्सव में मोहारा वार्ड की महिलाओं एवं वार्डवासियों की अच्छी-खासी उपस्थिति रही। महिलाओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में पूरे उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। प्रतियोगिताओं एवं सावन झूले के माध्यम से महिलाओं ने सावन पर्व का भरपूर आनंद लिया। मोहारा वार्ड में सावन उत्सव के आयोजन को सफल बनाने में वार्ड पार्षद आलोक श्रोती सहित देवकी देवांगन, भुवनेश्वरी सिन्हा, मीना सोनकर, कीर्ति प्रजापति, हेमिन यादव, भुवनेश्वरी प्रजापति, कुंती देवांगन, सविता यादव, मीरा बाई देवांगन, सुखवंती निषाद, नर्मदा यादव सहित वार्ड की अन्य महिलाओं की विशेष सहभागिता रही। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मोहन तिवारी, परशुराम प्रजापति, सोहन प्रजापति, दुबेश प्रजापति, लकी देवांगन, काशी यादव, उमाशंकर यादव, सुरेश सिन्हा, रॉकी देवांगन, अवधेश सोनकर, पिंटू देवांगन सहित बड़ी संख्या में वार्डवासियो की उपस्थिती रही। सावन उत्सव कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षा विभाग प्रभारी सदस्य एवं वार्ड पार्षद आलोक श्रोती द्वारा किया गया।

विस अध्यक्ष ने ननि जनसंपर्क अधिकारी देवेंद्र सोनी को बेहतर कार्य के लिए किया सम्मानित

स्वतंत्रता दिवस पर बेहतर कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को दिया गया प्रमाण पत्र

राजनांदगांव। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी देवेंद्र सोमनी को स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन के हाथों सम्मानित किया गया। उन्होंने सोनी के कार्यों की तारीफ भी की। लंबे समय से नगर निगम के कार्यों को बखूबी सोनी निभा रहे हैं। उनकी सकरात्मक कार्यशैली को लेकर ही उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया है। पीटीएस ग्राउंड में हुए मुख्य समारोह में जिले के सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इसमें नगर निगम, खाद्य विभाग, जिला पंचायत, जनपद पंचायत, महिला एवं बाल विकास, खनिज विभाग सहित अन्य विभाग शामिल हैं। इसी तरह स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शौर्य परेड मैदान पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय मुख्य समारोह में आर्म्स प्लाटून के साथ-साथ एनसीसी और स्काउट-गाईड की टुकड़ियों ने हिस्सा लिया। आर्म्स प्लाटून वर्ग में 38वीं बटालियन आईटीबीपी की टोली को प्रथम एवं जिला पुलिस बल पुरूष के दल को द्वितीय पुरस्कार से नवाजा गया। अनार्म्स प्लाटून वर्ग में एनसीसी बालक सिनियर दिग्विजय महाविद्यालय को प्रथम एवं एनसीसी बालक सिनियर दिग्विजय महाविद्यालय ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर बालिका वर्ग में एनसीसी बालिका दिग्विजय महाविद्यालय को प्रथम एवं एनसीसी बालिका कमला कालेज ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर बालक वर्ग में एनसीसी बालक स्टेट हाई स्कूल को प्रथम एवं एनसीसी नेवल डॉ. बल्देव प्रसाद मिश्र स्कूल बसंतपुर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

मेटास कंपनी के कर्मचारियों को प्रदान किया गया शॉल, श्रीफल और मोमेंटो

मरीजों की सेवा करने वाले कर्मचारियों को डॉक्टरों के हाथों कराया गया सम्मानित

राजनांदगांव। आजादी के 80वीं वर्षगाँठ पर शासकीय जिला चिकित्सालय में कार्यरत मेटास कम्पनी के अंतिम कर्मचारियों को मोमेंटो, साल और श्रीफल देकर उनका सम्मान किया गया। शहर की ही संस्था माँ पाताल भैरवी मन्दिर सेवा समिति, विगत 5 वर्षों से आजादी के महत्व को समझते हुए 15 अगस्त और 26 जनवरी के पावन अवसर पर ऐसे अंतिम कर्मचारियों का चुनाव करती है,जो निःस्वार्थ भाव से अपने नियमित कार्य के अलावा कार्य के दौरान ही लोगों की सेवा करते रहते है। जिला अस्पताल में कार्यरत यह अंतिम कर्मचारी हॉस्पिटल में बीमार पड़े मरीजों की सेवा अपने घर के सदस्य की तरह करते है। मरीज को यह अहसास नही होने देते कि साथ उनके परिवार का कोई व्यक्ति है या नही। मरीज के मल-मूत्र से लेकर मरीज की साफ-सफाई, खाना-पीना जब तक मरीज स्वस्थ्य होकर अपने घर नहीं पहुंचता है, पूरा ध्यान रखते है। निश्चित रूप से असली सम्मान के हकदार ये ही लोग होते है। मन्दिर समिति के अध्यक्ष राजेश मारू, मन्दिर के पुजारी महामंडलेश्वर गोविंद दास महाराज एवम कमलेश सिमनकर (पत्रकार) की पहल 5 वर्षो से निरन्तर जारी है।इस वर्ष सम्मान समारोह के लिए शासकीय जिला अस्पताल को चुना गया, जिसमे (स्वच्छता दीदी, स्वच्छता भैया, सुरक्षा गार्ड) योगेंद्र रजक, दुलार सिंग, चन्द्र विजय, आकाश मंडावी, तरुण साहू, टूमनलाल साहू, मोनिका निषाद, अमरीका बाई, अगहन खूंटे, रश्मि सोनी, सुधा मंडावी एवम दुर्गा रजक कुल 12 लोगों को परम् पूज्य ब्रम्हरिषी बर्फानी दादाजी महाराज की स्मृति में शासकीय जिला अस्पताल के (सिविल सर्जन)डॉ. महेंद्र प्रसाद, डॉ. यू.आर.चन्द्रवँशी (मेडिसिन)डॉ. अनिल महाकालकर (आर्थो) के हाथों मोमेंटो, साल और श्रीफल देकर सम्मान करवाया गया।

रिमझिम सावन मेला को लेकर नगर निगम की व्यापक तैयारियां, 21-22 को विवेकानंद भवन में होगा आयोजन

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी रिमझिम सावन मेला का भव्य आयोजन किया जा रहा है। 21 एवं 22 अगस्त को प्रातः 11 बजे से शाम 7 बजे तक विवेकानंद भवन सभागार में आयोजित होने वाले इस दो दिवसीय मेले को लेकर नगर निगम ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। कार्यक्रम स्थल निरीक्षण के दौरान सास्कृतिक प्रभारी हर्षिका संभव जैन,महिला एवं बाल विकास शशि साहू,एमआईसी सदस्य लीना दिनेश देवांगन, पार्षद रंजीता पाटिल,लोकेश्वरी ठाकुर, सावित्री दमाहे,सुरूचि उमरे, सरिता चन्द्राकर,जलकार्य निरीक्षक नारायण ठाकुर मौजूद रहें। महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त मोहेंद्र साहू ने तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी हैं।रिमझिम सावन मेला में महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक गेम्स एवं सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। साथ ही महिलाओं द्वारा तैयार किए गए विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी एवं विक्रय के लिए स्टॉल लगाए जाएंगे। इच्छुक नागरिक स्टॉल लगाने के लिए चित्रलेखा चन्द्राकर के मोबाइल नंबर 8085289463 पर संपर्क रिमझिम सावन मेला में 30 स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें 20 स्टॉल नागरिकों के लिए होंगे। जिनका स्टॉल शुल्क 1,000 निर्धारित किया गया है।

वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की जयंती पर खम्हरिया में हुआ आयोजन, समाजजनों ने और जनप्रतिनिधियों ने किया वीरांगना को नमन

पाटन। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की जयंती के अवसर पर लोधी समाज पाटन परिक्षेत्र के तत्वावधान में ग्राम पंचायत खम्हरिया में श्रद्धांजलि एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में समाजजनों ने शामिल होकर वीरांगना रानी अवंती बाई के साहस, त्याग और देशभक्ति को याद करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ घनश्याम कौशिक प्रदेश महामंत्री लोधी समाज, जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक, सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर, कमलेश चंद्राकर मंडल अध्यक्ष अमलेश्वर, धर्मेंद्र कौशिक अध्यक्ष पाटन परिक्षेत्र लोधी समाज ,कमलेश सिंगौर प्रदेश कार्यकारणी सदस्य की गरिमामई उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान रानी अवंती बाई के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना कर श्रद्धांजलि दी गई। उपस्थित समाजजनों ने उनके जीवन एवं स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि वीरांगना रानी अवंती बाई ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अदम्य साहस का परिचय दिया और उनका जीवन आज भी समाज एवं युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। आयोजन में समाज के वरिष्ठजनों एवं पदाधिकारियों ने रानी अवंती बाई के आदर्शों को आत्मसात करने तथा समाज में शिक्षा, एकता और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं समाजजनों का सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर लोधी समाज के अनेक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं समाज के महिला-पुरुष सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन वीरांगना रानी अवंती बाई के आदर्शों पर चलने तथा समाजहित में एकजुट होकर कार्य करने के संकल्प के साथ किया गया। इस अवसर पर द्वारिका सिंगौर, टीकम सिंगौर, सुरेंद्र सिंगौर, गोकुल साहू, नरेंद्र विश्वकर्मा, सुमेश्वर सिंह, प्रकाश सिंगौर, अश्वनी सिंगौर, करण सिंगौर, लखन सिंगौर, मुकेश सिंगौर, ओंकार कौशिक, ग्राम पंचायत सरपंच सोनिया यदु, उप सरपंच मनोज देशलहरा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, सांकरा में गरिमामय ध्वजारोहण

अमलेश्वर, दुर्ग। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, सांकरा, दुर्ग में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में कुलपति द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रगान के साथ तिरंगे को सलामी दी।

इस अवसर पर कुलपति महोदय ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानियों एवं अमर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता केवल हमारा अधिकार ही नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का भी स्मरण कराती है। विद्यार्थियों को देश के विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने तथा शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार के माध्यम से समाज एवं किसानों के हित में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उद्यानिकी एवं वानिकी के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक तकनीक, अनुसंधान एवं कौशल विकास के माध्यम से युवा इस क्षेत्र में रोजगार एवं उद्यमिता के नए अवसर सृजित कर सकते हैं। विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने तथा किसानों एवं समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। समारोह में विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण, महाविद्यालय के प्राध्यापक, छात्र-छात्राएं एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। पूरे परिसर में देशभक्ति एवं राष्ट्रीय गौरव का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर तिरंगा यात्रा भी निकाली गई, जिसमें विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। समारोह का समापन राष्ट्र के प्रति समर्पण, एकता एवं अखंडता की भावना को मजबूत करने के संकल्प के साथ हुआ।

जिला न्यायालय दुर्ग में POSH Act एवं श्रम कानूनों पर जागरुकता कार्यशाला सुरक्षित कार्यस्थल की दिशा में 'साझा ज़िम्मेदारी' का संदेश

दुर्ग। एक सुरक्षित कार्यस्थल केवल नियमों से नहीं बनता वह तब बनता है, जब हर व्यक्ति अपनी भूमिका को समझे और गरिमा, सम्मान तथा समानता को रोज़मर्रा के व्यवहार का हिस्सा बनाए। इसी सोच के साथ जिला न्यायालय दुर्ग के नवीन सभागार में 'कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (POSH Act) तथा महिलाओं के अधिकार एवं श्रम कानून' विषय पर विशेष जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यक्रम का मुख्य संदेश था - Safe Workplace is Everyone's Responsibility. उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री के. विनोद कुजूर थे। उनके अतिरिक्त कुटुंब न्यायालय की प्रधान न्यायाधीश श्रीमती सुमन एक्का, विशाखा समिति की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता टोप्पो, सदस्यगण, समस्त न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्ता संघ दुर्ग के सदस्य अधिवक्तागण एवं अन्य अधिवक्तागण तथा श्रम विभाग की लेबर इंस्पेक्टर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस कार्यशाला की सबसे महत्वपूर्ण बात थी इसका समावेशी दृष्टिकोण। POSH Act को केवल महिलाओं से जुड़ा विषय मानने के बजाय, इस बार न्यायालय के पुरुष अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी सक्रिय रूप से सहभागी बनाया गया। महिला कर्मचारियों के लिए आयोजित प्रथम चरण के बाद यह विशेष सत्र इस विचार पर केंद्रित रहा कि लैंगिक समानता और सुरक्षित कार्यस्थल केवल एक वर्ग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे संस्थान की साझा ज़िम्मेदारी है।

तकनीकी सत्रों में षष्टम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती श्यामवती मरावी ने POSH Act, 2013 के प्रमुख प्रावधानों, आंतरिक शिकायत समिति के गठन तथा शिकायतों की निष्पक्ष और संवेदनशील जांच की प्रक्रिया पर व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया।

दूसरे सत्र में स्थायी लोक अदालत की अध्यक्ष श्रीमती सुषमा लकड़ा ने भारतीय श्रम कानूनों के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा करते हुए मातृत्व लाभ, कार्य के घंटे, समान अवसर तथा महिलाओं के कार्यस्थल संबंधी अधिकारों की जानकारी दी।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री के. विनोद कुजूर ने कार्यस्थल पर गरिमा, परस्पर सम्मान और संवेदनशील व्यवहार को संस्थागत संस्कृति का अनिवार्य हिस्सा बताया तथा सभी से इसे व्यवहार में उतारने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का समापन चतुर्थ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (FTSC POCSO) श्री अनीश दुबे के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

कार्यशाला का सार यही रहा कि POSH Act केवल शिकायत की स्थिति में लागू होने वाला कानून नहीं, बल्कि सम्मान, संवेदनशीलता और accountability ·¤è workplace culture विकसित करने का माध्यम है। इसी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए प्रतिभागियों को यह संदेश दिया गया कि हर कर्मचारी–चाहे वह किसी भी पद पर हो–एक सुरक्षित कार्यस्थल के निर्माण में योगदान देता है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com